हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 339 बेमेतरा, बुधवार 05 अगस्त 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मानसून सत्र में फिर गरमाया संसद

छात्रों पर लाठीचार्ज से राम मंदिर चंदे तक विपक्ष के निशाने पर सरकार

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के तीसरा हफ्ते का आज दूसरा दिन है। ऐसे में आज यानी मंगलवार को विपक्ष सरकार को घेरने के लिए पूरी तरह एकजुट नजर आ रहा है।

संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। छात्रों से जुड़े मुद्दे और केंद्रीय गृह मंत्री की अनुपस्थिति को लेकर विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा किया, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल जैसे गंभीर मामलों पर सरकार जवाब देने से बच रही है। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री सदन में उपस्थित होकर जवाब दें और छात्रों से माफी मांगें। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि विपक्ष केवल सदन में खुली और विस्तृत चर्चा चाहता है, ताकि सभी तथ्यों पर निष्पक्ष बहस हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा से बच रही है, जबकि लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का रास्ता है।

वहीं भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद कहा कि देश विकास और रोजगार के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और एनडीए सरकार विकास की गति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

संसद में जारी गतिरोध के कारण कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य प्रभावित हुए।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में पेश किया बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल

नई दिल्ली। बैंकों में रखे जाने वाले डिजिटल रिकार्ड को भी आने वाले दिनों में बतौर सुबूत अदालतों में पेश किया जा सकेगा। अभी देश में जो कानून है, उसके मुताबिक बैंकों के कागजी रिकार्ड ही सुबूत माने जाते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 पेश किया।यह विधेयक 125 साल पुराने बैंकर्स बुक्स एविडेंस एक्ट, 1891 की जगह लेगा। विधेयक का उद्देश्य है डिजिटल बैंकिंग के दौर में बैंक रिकार्ड को अदालती सुबूत के रूप में आसानी से स्वीकार करने का आधुनिक और तकनीक आधारित कानूनी ढांचा तैयार करना।वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि बैंकों के सारे कामकाज अब डिजिटल होने लगे हैं। बैंकों के रिकार्ड अब इलेक्ट्रानिक, डिजिटल, वर्चुअल और क्लाउड-आधारित रूप में बनाए और रखे जाते हैं। इसे देखते हुए पहले से चले आ रहे विधेयक में बदलाव करना आवश्यक हो गया है, ताकि वर्तमान बैंकिंग प्रणाली की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

डिजिटल भुगतान, यूपीआइ, आनलाइन बैंकिंग और क्लाउड स्टोरेज के युग में पुराना कानून अप्रासंगिक हो चुका था। साइबर धोखाधड़ी, आनलाइन स्कैम और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में बैंक रिकार्ड सुबूत के रूप में बेहद जरूरी होते हैं। नया कानून अदालतों और जांच एजेंसियों को वैध मामलों में आसानी से डिजिटल सुबूत उपलब्ध कराने में मदद करेगा, जबकि बैंकों को अनावश्यक अदालती प्रक्रिया से बचाएगा।नए कानून में बैंकर्स बुक्स की परिभाषा में भौतिक, इलेक्ट्रानिक, डिजिटल, वर्चुअल, क्लाउड-आधारित या किसी अन्य रूप में रखे गए सभी रिकार्ड शामिल होंगे। यह ढांचा भविष्य की तकनीक के लिए भी तैयार रहेगा।

गरीबी नहीं रोक सकी हौसले की उड़ान

कोरिया के भैसवार गांव के दो बेटों ने नेपाल में लहराया तिरंगा

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के छोटे से गांव भैसवार के दो साधारण परिवारों के युवाओं ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। मंगलेश कुमार साहू और परमेश्वर सिंह ने नेपाल में आयोजित 11वीं इंडो-नेपाल इंटरनेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खास बात यह रही कि भारत ने इस प्रतियोगिता में पूरे 10 साल बाद गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

मंगलेश ने दागा पहला गोल, बने बेस्ट स्ट्राइकर

भारतीय टीम के राइट स्ट्राइकर मंगलेश कुमार साहू ने प्रतियोगिता के अहम मुकाबले में भारत की ओर से पहला गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। पूरे टूर्नामेंट में उनके शानदार खेल और आक्रामक प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट स्ट्राइकर का खिताब दिया गया। बेस्ट स्ट्राइकर का अवार्ड मिला है। गोल्ड मेडल जीतकर आए हैं। मुझे परिजनों और विधायक से सहयोग मिला। अब थाईलैंड जाएंगे। बचपन से सपना था कि इंटरनेशनल खेलूं। मैं गरीब परिवार से हूं, लेकिन खेलना जारी रखा। पहले जिला, फिर संभाग, फिर स्टेट लेवल पर हुआ। उसके बाद इंटरनेशनल के लिए सिलेक्शन हुआ है। हम चाहते हैं कि हम लगातार अच्छा खेलें और देश का नाम रोशन करें- मंगलेश कुमार साहू, प्लेयर

परमेश्वर बने जीत की मजबूत दीवार

भारतीय टीम के गोलकीपर परमेश्वर सिंह ने पूरे टूर्नामेंट में कई गोल रोककर विरोधी टीमों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दबाव भरे मुकाबलों में उनके शानदार बचाव ने भारत की जीत सुनिश्चित की। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट गोलकीपरका पुरस्कार दिया गया।दोनों खिलाड़ी साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं। भैसवार गांव के दोनों खिलाड़ियों ने गांव के मैदान में प्रैक्टिस की। सुविधा नहीं थी, लेकिन कुछ करने का जुनून था। आर्थिक तंगी भी आड़े आई लेकिन दोनों ने हिम्मत नहीं हारी। परिजनों और ग्रामीणों के सहयोग से लगातार मेहनत करते रहे और आखिरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया।

अब थाईलैंड पर नजर

नेपाल में गोल्ड जीतने के बाद अब दोनों खिलाड़ियों का अगला लक्ष्य थाईलैंड में होने वाली अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता है।

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का मुख्यमंत्री निवास में भव्य स्वागत

ज्ञानेश्वरी की उपलब्धि पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव, बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा : मुख्यमंत्री

रायपुर। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का आज मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल देश के लिए पदक जीता, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के बल पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल की है। उनकी सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदार हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार को अपनी इस बेटी पर गर्व है। इसी भावना के साथ राज्य सरकार ने उन्हें आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी उपलब्धि का सम्मान हो और प्रदेश के अन्य खिलाड़ी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित हों।

पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश में पावरग्रिड की हरित ऊर्जा परियोजनाओं का किया लोकार्पण

विशाखापत्तनम। भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को एक और नई गति देते हुए, भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने विशाखापत्तनम में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की दो प्रमुख पारेषण (ट्रांसमिशन) परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया तथा एक नई परियोजना की आधारशिला रखी। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम पावरग्रिड के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नज़ीर, गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उप-मुख्यमंत्री के. पवन कल्याण उपस्थित रहे।

इसके अलावा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, केंद्रीय राज्य मंत्री (ग्रामीण विकास और संचार) डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, केंद्रीय राज्य मंत्री (भारी उद्योग और इस्पात) भूपति राजू श्रीनिवासन वर्मा, तथा आंध्र प्रदेश सरकार के आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं शिक्षा मंत्री नारा लोकेश भी उपस्थित थे।

परियोजनाओं का विवरण

कुरनूल पवन व सौर ऊर्जा क्षेत्र (भाग- एवं भाग-B)= लगभग 3,547 करोड़ के निवेश से विकसित यह प्रणाली क्षेत्र से अक्षय ऊर्जा के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करेगी।

लज्जा भंग या बेबस महिला जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि यौन अपराधों से जुड़े फैसलों में ज्यादा संवेदनशीलता और पीड़ित पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जजों को प्रोसिक्यूट्रिक्स (शिकायतकर्ता महिला), बेबस महिला, पवित्रता खो दी और लज्जा भंग की जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इसके बजाय अदालतों को विक्टिम (पीड़ित), सर्वाइवर, कंप्लेनेंट, बॉडीली ऑटोनॉमी (शरीर पर अपना अधिकार) और सेक्सुअल असॉल्ट (यौन हमला) जैसे न्यूट्रल शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। यह बात सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट में कही गई है। जजमेंट्स एंड जेंडर- सेंसिटिविटी एंड कम्पैशन इन राइटिंग जजमेंट्स (फैसले और जेंडर- फैसले लिखने में संवेदनशीलता और सहानुभूति) नाम की यह रिपोर्ट राज्य की न्यायिक अकादमियों की मदद से देश भर की ट्रायल कोर्ट के 125 फैसलों का विश्लेषण करने के बाद तैयार की गई थी। इसमें पाया गया कि पीड़ितों, गवाहों और दूसरे कमजोर वर्गों के साथ जजों के व्यवहार में मिली-जुली स्थिति देखने को मिली। पैनल ने कहा कि निष्पक्षता, सम्मान और तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील न्यायिक भाषा का इस्तेमाल जरूरी है और इस बात पर जोर दिया कि जजों को रूढ़िवादी या पीड़ित को दोषी ठहराने वाले सवाल पूछने से बचना चाहिए। पैनल ने यह भी कहा कि पीड़ितों को आरोपी के साथ बातचीत करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

एअर इंडिया की उड़ान में टर्बुलेंस दिल्ली में सुरक्षित उतरा विमान

नई दिल्ली। एअर इंडिया की मंगलवार को फुकेत (थाईलैंड) से दिल्ली आ रही उड़ान एआई2379 को कुछ समय के लिए तेज हवा के झटकों (टर्बुलेंस) का सामना करना पड़ा। इस दौरान विमान की ऊंचाई में थोड़े समय के लिए बदलाव हुआ। एयरलाइन के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। एयरलाइन के प्रवक्ता के अनुसार, विमान दिल्ली में सुरक्षित उतर गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित विमान से बाहर निकल गए। एअर इंडिया ने कहा कि फिलहाल किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।

भेज्जी के जंगल में नक्सल डंप का खुलासा

संयुक्त अभियान में हथियार और कारतूस जब्त

सुकमा। भेज्जी क्षेत्र के ग्राम बोधराजपदर के घने जंगलों में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया हथियारों का डंप बरामद किया गया है. संयुक्त सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक .315 बोर बोल्ट एक्शन रायफल, कुल 49 जिंदा कारतूस और एक एल्युमिनियम कंटेनर जब्त किया. यह कार्रवाई नक्सलियों की साजिशों को नाकाम करने और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा कायम रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह के मार्गदर्शन में जिले में लगातार नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है. इसी अभियान के तहत विश्वसनीय स्थानीय सूचना मिलने पर सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन की ई कंपनी और भेज्जी पुलिस की संयुक्त टीम ने विशेष सर्च ऑपरेशन शुरू किया. अभियान का नेतृत्व डीआईजी (ऑप्स) कोन्टा राजेश पाण्डेय एवं 50वीं वाहिनी के सेनानी प्रेमजीत कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। जानकारी के अनुसार 3 अगस्त 2026 को एफओबी एलारमडगु से संयुक्त टीम बोधराजपदर के जंगलों के लिए रवाना हुई. जवानों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और घने जंगलों के बीच लगातार तलाशी अभियान चलाया. कैंप से लगभग 2.8 किलोमीटर दूर संदिग्ध स्थान की गहन जांच के दौरान जमीन में छिपाकर रखा गया नक्सल डंप बरामद हुआ. डंप से एक .315 बोर बोल्ट एक्शन रायफल, 7.62म39 मिमी के 47 जीवित कारतूस, 7.62म51 मिमी के 2 जीवित कारतूस और एक एल्युमिनियम कंटेनर बरामद किया गया।

कांकेर का अनोखा मंदिर, सावन में उमड़ता है भक्तों का सैलाब

शिवलिंग के ऊपर विराजमान है नंदी बाबा

कांकेर। आमतौर पर आपने मंदिरों में शिवलिंग के सामने नंदी बाबा को विराजमान देखा होगा, लेकिन छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक ऐसा प्राचीन शिव मंदिर है, जहां नंदी भगवान शिव के ऊपर विराजमान हैं। यही अनोखी संरचना इस मंदिर को देश के दूसरे शिव मंदिरों से अलग पहचान देती है। सावन के महीने में यहां आस्था का ऐसा रंग देखने को मिलता है कि दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

यहां बदली हुई है शिव और नंदी की परंपरागत स्थिति

कांकेर शहर में स्थित नंदीश्वर महादेव मंदिर श्रद्धालुओं के बीच अपनी अनूठी मान्यता के लिए प्रसिद्ध है। सामान्य तौर पर शिव मंदिरों में नंदी को शिवलिंग के सामने स्थापित किया जाता है, लेकिन

यहां नंदी बाबा शिवलिंग के ऊपर विराजमान दिखाई देते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, देश में इस तरह की अनोखी शिव प्रतिमा केवल दो स्थानों पर होने की बात कही जाती है कि एक आंध्र प्रदेश में और दूसरा छत्तीसगढ़ के कांकेर में है।

ध्यान लगाने से आते हैं नजर

श्रद्धालु बताते हैं कि स्वयंभू शिवलिंग है और शिवलिंग को ध्यान से देखने पर नंदी जी छोटे से बछड़े के रूप में दिखते हैं।

छोटी सी पूंछ, छोटे घुंघुरू बिल्कुल नंदी महाराज की तरह। पुजारी भी कहते हैं कि नंदी को हम तभी जानेंगे, शिव को हम तभी पहचानेंगे जब हम उनमें लगे रहेंगे।

सावन में बढ़ जाती है रौनक

सावन आते ही नंदीश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। सुबह से ही भक्त भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचने लगते हैं।

मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे गूंजते हैं। मान्यता है कि सावन में भगवान शिव का जलाभिषेक करने से भक्तों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और भोलेनाथ अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं

सावन का महीना सबसे पवित्र महीना माना जाता है सावन के इस महीने में माता पार्वती ने भी उपासना की थी अपना व्रत पूरा किया था और इसी महीने में समुद्र मंथन भी हुआ था, माना जाता है अपनी मनोकामनाओं के लिए अच्छा वर पाने के लिए लड़कियां पूजा करती हैं।मैंने मेरे बचपन से शिव मंदिर में पूजा की है और जहां तक मुझे याद है तो मुझे मेरी मम्मी से यह कहानी सुनने को मिली थी शिवलिंग खुद से प्रकट हुआ था और बाहर से अघोरी आए थे देखने के लिए।

- ऋषिका रॉय, श्रद्धालु

यह बहुत ही पुराना प्राचीन मंदिर है जो कि देश में इस तरह का शिवलिंग 2 ही जगह पर है। एक आंध्र प्रदेश और दूसरा कांकेर में, यहां नंदी जी को भी देखने के लिए ध्यान की जरूरत है।

6 जिलों में जिला खेल अधिकारियों की होगी नियुक्तिः डिप्टी सीएम साव

रायपुर। राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ की बढ़ती धाक के मद्देनजर रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में खेलों और खिलाड़ियों के विकास के लिये कमर कसते हुए आज उपमुख्यमंत्री व खेल मंत्री अरुण साव नेबड़ा फैसला लेते हुए सूबे के छह नए जिलों में जिला खेल अधिकारी के पदों पर नियुक्ति की स्वीकृति दे दी गई है। इन नियुक्तियों से स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों के संचालन और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।जिन जिलों में जिला खेल अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी उनमें मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर , खैरागढ़-छुईखदान-गंडई , सक्ती, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही शामिल हैं। मंगलवार को पत्रकार वार्ता में यह जानकारी उपमुख्यमंत्री व खेल मंत्री अरुण साव ने दी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं और सरकार खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर और जशपुर में करीब 67 करोड़ रुपये की लागत से तीरंदाजी अकादमी का निर्माण कार्य जारी है।

जिले के सभी शासकीय कार्यालयों को अपनाना होगा प्रीपेड बिजली बिल रिचार्ज प्रक्रिया

समान किश्तो में करना होगा बकाया बिजली बिल का भुगतान

सोलर दीदियों को वेंडर चयन के लिये प्रोत्साहित करने के निर्देश

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे / कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने राज्य शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालयों मे प्रीपेड बिजली बिल रिचार्ज की प्रकिया जल्द पूरा करने और बकाया विद्युत देयक का 4 समान किश्तो में भुगतान करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री शर्मा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा सभी शासकीय कार्यालयों में प्री-पेड स्मार्ट मीटर की स्थापना कर प्री-पेड बिलिंग करने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत प्रथम चरण में अगस्त 2026 से विकासखण्ड एवं उच्च स्तर तक के सभी शासकीय कनेक्शनों का स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्री-पेड बिलिंग किया जाएगा एवं इसके उपरांत द्वितीय चरण में विकासखण्ड स्तर से निम्न स्तर के कार्यालयों में प्री-पेड बिलिंग का कार्य किया जाएगा।प्री-पेड बिलिंग पद्धति सुचारू रूप से लागू हो, यह सुनिश्चित करने के लिये विभागवार बकाया राशि को फ्रीज कर इस राशि को आगामी 4 तिमाही में समान किश्तों में भुगतान किया जाएगा। प्रीपेड रिचार्ज के लिये विभागवार नोडल अधिकारी एवं राज्य स्तर से नोडल अधिकारी बनाए जाएंगे। उन्होंने 4 विभागों द्वारा जिला बनाए गये नोडल अधिकारियो को अपने कार्यालय का प्रीपेड रिचार्ज तत्काल शुरू करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत समूह की महिलाओं द्वारा हितग्राही पंजीयन व वेंडर सलेक्शन की समीक्षा करते हुए कहा कि महिलाओं को सक्रिय वेंडर की सूची उपलब्ध कराएं ताकि उन्ही वेंडरो का चयन हो जो जल्द सोलर पैनल इंस्टालेशन का कार्य पूरा करते हैं। उन्होंने प्रति सोलर पैनल इंस्टालेशन पर समूह की महिलाओं क वेंडर द्वारा तय परिश्रमिक का भुगतान कराने के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के गंभीर कुपोषित बच्चों को अनिवार्य रूप से एनआरसी में भर्ती करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने ई -ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए राज्य शासन की मंशा अनुसार सभी फाइलो का मूवमेंट एवं पत्राचार शतप्रतिश ई-ऑफिस के माध्यम से करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरण, सीपी ग्राम्स,मुख्यमंत्री जनदर्शन,सीएम हेल्पलाइन, स्वामित्व योजना,एग्रीस्टेक पंजीयन, सेवा सेतु पोर्टल आदि की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते, ए.आर. टंडन,निशा नेताम मड़ावी, सीमा ठाकुर सहित,एसडीएम,जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय समिति की बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के निर्देश

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे / जिले को टीबी (क्षय रोग) मुक्त बनाने के उद्देश्य से गठित जिला स्तरीय टीबी मुक्त भारत समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में जिला कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान को केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम न मानकर जनभागीदारी से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य के रूप में इसे संचालित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने टीबी मुक्त पंचायत की दिशा में प्रत्येक पंचायत में टीबी जांच एवं मरीजों की पंचायतवार स्थिति का नियमित परीक्षण एवं समीक्षा करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने जिले के प्रत्येक टीबी मरीज के लिए निक्षय मित्र उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए सभी शासकीय विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी संस्थानों, उद्योगों, सामाजिक संगठनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से संपर्क कर अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से टीबी मरीजों को पोषण एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराकर टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अवस्थी ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में टीबी की शीघ्र पहचान, निःशुल्क जांच एवं उपचार की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय से खांसी, बुखार, वजन कम होना अथवा रात में पसीना आने जैसे लक्षण हों तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर निःशुल्क जांच अवश्य कराएं। समय पर जांच एवं उपचार से टीबी पूरी तरह ठीक हो सकती है।

बेमेतरा पुलिस की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने जताया आभार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना जिला बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सिटी कोतवाली बेमेतरा पहुंचकर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों का सम्मान किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने 1 अगस्त को आयोजित जेसीपी प्रमुख अमित बघेल के कार्यक्रम के दौरान बेमेतरा पुलिस द्वारा की गई उत्कृष्ट सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर आभार पत्र भेंट किया।संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि बेमेतरा पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जिले में शांति एवं सौहार्द कायम रखने के लिए पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ कार्य कर रही है। पुलिस की जनहितैषी कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा समाज के लिए प्रेरणादायी है। इसी भावना के साथ संगठन ने सिटी कोतवाली पहुंचकर पुलिस प्रशासन के प्रति अपना धन्यवाद एवं सम्मान प्रकट किया। इस दौरान शहर अध्यक्ष सूर्या सिंह चौहान, शहर उपाध्यक्ष खेमू साहू, शहर महामंत्री दीपक सिन्हा (जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी), छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के जिला महामंत्री राहुल यादव तथा शहर अध्यक्ष पार्थ मानिकपुरी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। संगठन ने विश्वास जताया कि बेमेतरा पुलिस आगे भी इसी तरह निष्पक्षता, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ जनता की सेवा करती रहेगी।

जनसुनवाई में एसपी त्रिलोक बंसल ने सुनीं लोगों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की शिकायतें गंभीरता से सुनीं। उन्होंने संबंधित थाना एवं चौकी प्रभारियों को शिकायतों का शीघ्र, निष्पक्ष एवं संवेदनशील तरीके से निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में भूमि विवाद, पारिवारिक प्रकरण, आपराधिक मामलों सहित विभिन्न विषयों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। एसपी ने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। तात्कालिक महत्व के मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि विस्तृत जांच वाले प्रकरणों को संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेजा गया। एसपी त्रिलोक बंसल ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निपटारे में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता बनाए रखते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।जनसुनवाई के दौरान स्टेनो संतोष सोनवानी सहित पुलिस कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

झमाझम बारिश से किसानों के आवागमन का मार्ग बहा, खेतों तक पहुंचना हुआ मुश्किल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में हुई झमाझम बारिश के बाद किसानों की परेशानियां बढ़ गई हैं। स्थानीय किसानों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा-नवागढ़ मार्ग पर बांध के पास स्थित किसानों के आवागमन का रास्ता तेज बारिश के कारण बह गया है। इससे किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।किसानों ने बताया कि उक्त मार्ग की हाल ही में मरम्मत (रिपेयरिंग) कराई गई थी, लेकिन पहली ही तेज बारिश में सड़क का हिस्सा बह जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण खेती-किसानी के कार्य प्रभावित हो रहे हैं और खेतों तक कृषि उपकरण एवं आवश्यक सामग्री ले जाना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय किसानों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि क्षतिग्रस्त मार्ग का शीघ्र निरीक्षण कर स्थायी मरम्मत कराई जाए, ताकि किसानों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके और खेती के कार्य सुचारु रूप से जारी रह सकें।

सिंगी ऋषि धाम पहुंचकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष विष्णु को सरिया ने की पूजा-अर्चना, देशवासियों को दी सावन की शुभकामनाएं

रायपुर/मूक पत्रिका

ऑल इंडिया संपादक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष विष्णु को सरिया ने पवित्र सिंगी ऋषि धाम पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान से देश में सुख, शांति, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। पूजा के पश्चात उन्होंने कहा कि सावन का पावन महीना आस्था, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। यह माह भगवान शिव की आराधना का विशेष अवसर प्रदान करता है।उन्होंने पूरे भारत के सभी राज्यों के नागरिकों को सावन मास की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा सभी पर बनी रहे तथा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली आए।

रिकॉर्ड गुम होने पर प्रशासन सख्तः सहायक ग्रेड-02 की एक वेतनवृद्धि रोकी

बीजापुर/मूक पत्रिका

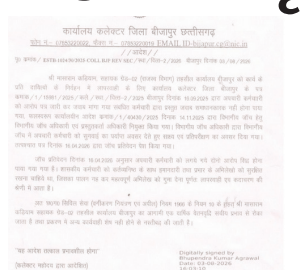

कार्यालय कलेक्टर जिला बीजापुर छत्तीसगढ़
फोन नं.- 07853220022 फैक्स नं.- 07853220019 EMAIL ID-bijapur.cg@nic.in
//आदेश//
"यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा"
(कलेक्टर महोदय द्वारा आदेशित)
Digitally signed by Bhupendra Kumar Agrawal Date: 03-08-2026

शासकीय अभिलेखों के संरक्षण में लापरवाही बरतना तहसील कार्यालय बीजापुर में पदस्थ एक सहायक ग्रेड-02 को महंगा पड़ गया। महत्वपूर्ण शासकीय अभिलेख गुम होने के मामले में विभागीय जांच पूरी होने के बाद जिला प्रशासन ने कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उसकी एक वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोक दी है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। कलेक्टर कार्यालय के अनुसार राजस्व विभाग में पदस्थ मासाराम कडियाम के विरुद्ध 16 सितंबर 2025 को कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही के आरोप में आरोप पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर 14 नवंबर 2025 को विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए जांच अधिकारी एवं प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त किए गए। विभागीय जांच के दौरान संबंधित कर्मचारी को सुनवाई, साक्ष्य प्रस्तुत करने तथा प्रतिरक्षण का पूरा अवसर दिया गया। जांच अधिकारी ने 16 अप्रैल 2026 को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें लगाए गए दोनों आरोप सिद्ध पाए गए। आदेश में कहा गया है कि शासकीय कर्मचारी का दायित्व अपने प्रभार के महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुरक्षित रखना है। अभिलेखों के गुम होने को गंभीर लापरवाही एवं कदाचार मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम-10 के तहत संबंधित कर्मचारी की एक वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने का दंड अधिरोपित किया गया है। साथ ही प्रकरण में अन्य कार्रवाई शेष नहीं होने से इसे नस्तीबद्ध कर दिया गया है।

कार्रवाई की पूरी टाइमलाइन16 सितंबर 2025: आरोप पत्र जारी, स्पष्टीकरण मांगा गया। 14 नवंबर 2025: विभागीय जांच के आदेश, जांच अधिकारी नियुक्त।16 अप्रैल 2026: जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत, दोनों आरोप सिद्ध।3 अगस्त 2026: कलेक्टर कार्यालय ने दंड आदेश जारी किया।दंड: एक वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोकी गई।

क्या था मामला?-विभागीय जांच में पाया गया कि संबंधित कर्मचारी अपने प्रभार के महत्वपूर्ण शासकीय अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सका, जिससे अभिलेख गुम हो गए।

चित्रोत्पला नदी पोरथ धाम में कांवरिया समिति की बैठक सम्पन्न, सावन आयोजन को लेकर हुई चर्चा..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सरिया तहसील स्थित चित्रोत्पला नदी पोरथ धाम में कांवरिया समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी धार्मिक आयोजनों, कांवर यात्रा की तैयारियों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार, मंडल अध्यक्ष प्रदीप सतपथी, नगर पंचायत सरिया अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष अरुण शराप, मंडल महामंत्री नारायण प्रधान एवं महेश बारीक, जनपद सदस्य आनंद साहा, वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूलाल पटेल, मंडल उपाध्यक्ष नवीन प्रधान, मनोज मेहर, भीमसेन साहा, सरपंच प्रकाश बैरागी, वृन्दावन प्रधान, सुभाष प्रधान सहित समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक में पोरथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं, स्वच्छता, सुरक्षा और सहयोगात्मक कार्यों पर चर्चा की गई। साथ ही धार्मिक आयोजनों को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों से सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कहा कि चित्रोत्पला नदी स्थित पोरथ धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, इसलिए सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के लिए समिति और ग्रामीण मिलकर कार्य करेंगे। बैठक का समापन धार्मिक एवं सामाजिक एकता के संदेश के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने आयोजन को सफल बनाने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सामूहिक रूप से सहयोग करने का संकल्प लिया।

समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, राहत-पुनर्वास के साथ विकास योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

बाढ़ प्रभावितों को राहत देने में न हो देरी, नुकसान का तत्काल आकलन करें : कलेक्टर विश्वदीप

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बिते दिनों आये बाढ़ से प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने नुकसान के त्वरित आकलन की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर विश्वदीप ने अधिकारियों से कहा कि आरबीसी 6-4 के तहत पात्र हितग्राहियों के राहत प्रकरण बिना विलंब तैयार किए जाएं, ताकि आर्थिक सहायता जल्द मिल सके। उन्होंने मानसून के दौरान सभी विभागों को सतर्क रहते हुए समन्वित ढंग से कार्य करने पर जोर दिया।साप्ताहिक समय-सीमा समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने बताया कि लगातार बारिश के चलते भोपालपटनम और भैरमगढ़ विकासखंड सबसे अधिक प्रभावित हुए। वर्तमान में स्थिति सामान्य है, लेकिन बारिश का दौर जारी रहने से किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को पूरी तैयारी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बाढ़ के दौरान प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, नगर सेना और अन्य विभागों द्वारा किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। राहत शिविरों में राशन, पेयजल और आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा राहत भवनों को हर समय उपयोग योग्य रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की एजेंसियों को क्षतिग्रस्त सड़क, पुल-पुलिया और कटाव वाले स्थलों की प्राथमिकता से मरम्मत कर आवागमन बहाल करने के निर्देश दिए। जिला बाढ़ आपदा कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए कहा गया।स्वास्थ्य विभाग को जीवनरक्षक दवाइयों का पर्याप्त भंडारण, नियमित स्वास्थ्य शिविर और मलेरिया, डेंगू सहित जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। वहीं स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, आश्रमों और छात्रावासों के आसपास जलभराव रोकने तथा साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बस्तर मुन्ने कार्यक्रम का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन, नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्राथमिकता से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने, एग्रीस्टेक के तहत किसानों का पंजीयन, स्वामित्व योजना के लंबित पट्टों का वितरण तथा श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

बैठक के प्रमुख निर्देश

बाढ़ नुकसान का तत्काल सर्वे कर राहत प्रकरण तैयार करें।

राहत शिविरों में राशन, पेयजल और जरूरी सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

क्षतिग्रस्त सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल और आंगनबाड़ी भवनों की जल्द मरम्मत कराएं।

जिला बाढ़ कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रखा जाए।

मलेरिया, डेंगू और जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

विभागीय योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए।

बड़े आमाकोनी में 15वें वित्त का घोटाला: दुकान नहीं, वेंडर बन गए गीता पटेल और रामगोपाल पटेल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बरमकेला विकासखंड की ग्राम पंचायत बड़े आमाकोनी में 15वें वित्त आयोग की राशि में बड़ा घोटाला सामने आया

Month: May
State: Chhattisgarh
Zilla Panchayat and Equivalent: Sarangarh-Bilaigarh
Block Panchayat and Equivalent: Baramkela
Village Panchayat and Equivalent: Badeamakoni

Type Of Transaction	Expenditures	Activity Code	56850477 pani tanki nirman aur marammat kary (2022-2023)
Scheme Name	XV Finance Commission-Tied Grant		
Voucher Date	20/05/2026	Voucher No	XVFC/2026-27/P/14
Account Head	Expenditure Heads 2215 - Water Supply and Sanitation 101 - Laying of Water Supply line 02 - Daily wage employees	Amount (in Rs.)	49,080
Particulars	pay jal hetu samagri kray bhugtan	Attached File	1779283922121~49080.jpg
Mode Of Payment	Details	To Whom Paid	Amount (in Rs.)
PFMS	Account Type:Bank Account No.:***************1600	GEETA PATEL	49,080

Report generated through eGramSwaraj (https://egramswaraj.gov.in/) on Tue, 04 Aug 2026 12:09:37 AM.

है।ग्रामवासियों का आरोप है कि पंचायत द्वारा 15वें वित्त से कराए गए कार्यों के लिए गीता पटेल और रामगोपाल पटेल को वेंडर बनाकर लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया। जबकि हकीकत में इनके नाम से गांव में कोई दुकान या फर्म संचालित नहीं है।ग्रामीणों ने जांच की तो पता चला कि जिस पते पर इनकी फर्म बताई गई है, वहां कोई दुकान है ही नहीं। इसके बाद भी फर्जी बिल और फर्जी माप बुक बनाकर पंचायत सचिव और सरपंच ने 15वें वित्त की राशि का आहरण कर लिया।ग्रामीणों ने कलेक्टर और ष्टश्वह्र जनपद बरमकेला से मांग की है कि मामले की जांच कर फर्जी आहरण की वसूली की जाए और दोषियों पर स्नद्ब्रक्र दर्ज हो। क्या कहते है वेंडर रामगोपाल पटेल = हमारा दुकान गोबरसिंघा घर मे दुकान है व फर्म का द्दह्यह्ल बिल भी है और मैंने सामान दिया है

सावन सोमवार पर भक्तों की उमड़ती भीड़: पुजेरीपाली स्थित विश्वकर्मा निर्मित केवटिन देउल शिव मंदिर की मान्यता और विशेषताएं..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सावन का महीना शिव भक्तों के लिए विशेष होता है और खासकर सावन सोमवार को भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना से विशेष फल मिलता है। बरमकेला विकासखंड के पुजेरीपाली गांव में स्थित केवटिन देउल शिव मंदिर इस अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र बन जाता है। बता दें कि यह मंदिर सरिया से लगे हुए गाँव पुजेरीपाली मे सरिया- चन्द्रपुर मुख्य मार्ग पर स्थित है, जिसकी दूरी सरिया से लगभग 1 किलोमीटर, बरमकेला से 17 किलोमीटर और चन्द्रपुर से 20 किलोमीटर है। मान्यताओ के अनुसार यह मंदिर सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि अपने ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के लिए भी जाना जाता है। मान्यता है कि यह छठवीं शताब्दी का प्राचीन शिव मंदिर है और इसका निर्माण स्वयं शिल्प शिरोमणि भगवान विश्वकर्मा ने किया था।

जनश्रुति और मान्यता-पीढ़ियों से चली आ रही जनश्रुति के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण एक ही रात में होना था। लेकिन एक केवट जाति की महिला, जो ब्रह्म मुहूर्त में उठकर ढेंकी से काम करने लगी, उसकी आवाज सुनकर निर्माण कार्य अधूरा रह गया। विश्वकर्मा देव ने मंदिर का निर्माण अंतिम चरण में छोड़ दिया, जिससे आज तक यह मंदिर अधूरे कलश और स्तंभों के साथ खड़ा है। इसी कारण इसका नाम केवटिन देउल शिव मंदिर पड़ा।

पाताल से जुड़ा शिवलिंग-यहाँ स्वयंभू शिवलिंग विराजमान हैं और मान्यता है कि यह शिवलिंग पाताल से जुड़ा है। भक्त जब जलाभिषेक करते हैं, तो पानी भरने का प्रयास करते हैं, लेकिन आज तक कोई भी जल भराव नहीं कर पाया। मंदिर के पुजारी अभिमन्यु जी भी इस रहस्य को मानते और बताते हैं।

मंदिर की वास्तुकला- मंदिर पूर्वाभिमुख है और इसमें चौकोर गर्भगृह, अंतराल और एक आधुनिक मुख-मंडप है।

* पूरा ढांचा मुख्य रूप से ईंटों से निर्मित है।

* इसका शिखर लैटिना नागर शैली में निर्मित है और इसमें छह भूमियाँ (स्तर) हैं।

* मंदिर की दीवारों पर पत्तों, चंद्रशालाओं और आयताकार उभारों की सुंदर नक्काशी देखने को मिलती है।

* इसकी बनावट में पंच-रथ पैटर्न, कुंभ, कलश और अन्य पारंपरिक शिल्प डिजाइनों का अद्भुत मिश्रण है।

धार्मिक महत्ता-सावन सोमवार को यहाँ दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर में जलाभिषेक और विशेष पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है। सावन के इन पावन दिनों में यहाँ लंबी कतारों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है, और माहौल पूरी तरह शिवमय हो जाता है। यह मंदिर न सिर्फ स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र है, बल्कि देश-विदेश से पर्यटक और शोधकर्ता भी इसकी ऐतिहासिकता और स्थापत्य कला को देखने के लिए आते हैं। अगर आप भी इस सावन महीने में शिवभक्ति का पुण्य लाभ लेना चाहते हैं, तो पुजेरीपाली स्थित केवटिन देउल शिव मंदिर जरूर जाएं। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा, रहस्य और भक्तिभाव मन को गहराई से स्पर्श करते हैं।

कलेक्ट्रेट में सजा 'बिहान राखी बाजार, पहले दिन हुई 13 हजार की बिक्री

कलेक्टर ने स्वयं राखी खरीदकर स्थानीय उत्पाद को दिया बढ़ावा

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में बिहान अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित राखियों का विशेष स्टॉल लगाया गया। जिले के 9 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने हाथों से आकर्षक, पर्यावरण अनुकूल एवं नवाचार से भरपूर राखियां तैयार कर प्रदर्शित कीं। स्टॉल पर दिनभर में कुल ?13,420 की राखियों का विक्रय हुआ।स्टॉल में पारंपरिक राखियों के साथ फलदार बीज (सीड राखी) से तैयार विशेष राखियां तथा बेल-बॉटम सहित विभिन्न आकर्षक डिजाइनों की राखियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजनों ने उत्साहपूर्वक इन राखियों की खरीदारी कर महिला समूहों का उत्साहवर्धन किया।कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने

स्टॉल का अवलोकन कर स्वयं महिला समूहों से राखियां खरीदीं और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि रक्षाबंधन के अवसर पर स्थानीय स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देकर महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के अभियान को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को भी नई पहचान दिलाते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, जनपद पंचायत सीईओ योगेश्वरी बर्मन, संजू पटेल सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी राखियां खरीदकर महिला समूहों का उत्साहवर्धन किया। राखियों की खरीद में महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पशुधन विकास विभाग की विशेष सहभागिता रही। बिहान की महिलाओं ने बताया कि हस्तनिर्मित राखियों के माध्यम से उन्हें बेहतर आय का अवसर मिल रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट आर्गेनाइजेशन का खरसिया में शपथग्रहण समारोह संपन्न

प्रदेश के पत्रकारों को निडरता से जनसेवा कार्य करने के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून होना हैं,अति आवश्यक-व्यास पाठक

रायगढ/मूक पत्रिका

खरसिया दिनांक 4/8/2026 दिन मंगलवार गायत्री मंदिर हाल में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट आर्गेनाइजेशन का खरसिया में शपथग्रहण समारोह संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट आर्गेनाइजेशन के प्रदेशाध्यक्ष व्यास पाठक थे, उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकार हित में कार्य करते हुए संगठन को मजबूत बनाना है और सभी पत्रकार भाइयों को सरकार के द्वारा पत्रकार हित में जो कार्य किया जा रहे हैं उसे अवगत कराना है और उन योजनाओं का लाभ भी दिलवाना है साथ ही पत्रकारों को निडरता से कार्य करने के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून का लागू होना अति आवश्यक भी बताया। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता खरसिया के प्रतिष्ठित समाजसेवी ओमप्रकाश गोयल ने की वही विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत सचदेव,प्रदेश महासचिव रमेश अग्रवाल - प्रदेश सचिव अरुणधर पंडा,रायगढ जिलाध्यक्ष महादेव परिहारी रहे, खरसिया नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी ओमप्रकाश गोयल,ने पत्रकारों की समाज मे भूमिका एवं जवाबदेही का निर्वहन करने के लिए पत्रकार बिरादरी का आभार व्यक्त किया,इस शपथ ग्रहण समारोह में खरसिया तहसील के संरक्षक गण अमर मंत्री, राजेश शर्मा, संटी सोनी,नैना वैष्णव सहित अध्यक्ष राकेश गायत्री, सचिव संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष विष्णु चन्द्र शर्मा,डिग्री लाल सिदार,लक्ष्मी पटेल,रविशंकर पटेल, सहित सभी पदाधिकारियों ने अपने पद पर देश एवं समाज सहित संगठन हित मे हमेशा ईमानदारी व निष्ठा पूर्वक कार्य करने की शपथ ली।

कोतवाली परिसर में व्यापारियों व नागरिकों को 1930 हेल्पलाइन, साइबर फ्रॉड से बचाव और यातायात नियमों की दी जानकारी

साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा पर जागरूकता अभियान

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बिते मंगलवार को जिले में बढ़ते साइबर अपराधों और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य स थाना कोतवाली परिसर में साइबर सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता बैठक आयोजित की गई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, साइबर सेल, यातायात पुलिस और कोतवाली पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में व्यापारी संघ, व्यापारियों और शहर के नागरिकों को ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों, बैंकिंग सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन की जानकारी दी गई।बैठक में एसबीआई इंडिया के कर्मचारियों

ने ऑनलाइन साइबर फ्रॉड के विभिन्न तरीकों, उनसे बचाव के उपायों तथा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से लागू नई एसओपी की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना देरी किए 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं और साइबर क्राइम पोर्टल पर भी रिपोर्ट करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। साइबर सेल की टीम ने डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन, फिशिंग, फर्जी लिंक, ओटीपी और केवाईसी फ्रॉड जैसे साइबर अपराधों की कार्यप्रणाली समझाते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। नागरिकों से कहा गया कि किसी भी अज्ञात कॉल, संदिग्ध लिंक या लालच भरे संदेश पर भरोसा न करें और अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करने से बचें।यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं देने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने तथा शहर में सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों और व्यापारियों को समाधान ऐप की उपयोगिता एवं उसके माध्यम से शिकायत और सुझाव दर्ज कराने की प्रक्रिया भी बताई गई। बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारी, गणमान्य नागरिक, बैंक अधिकारी और पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। आयोजन का उद्देश्य नागरिकों में साइबर सुरक्षा, बैंकिंग सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर सुरक्षित एवं जिम्मेदार समाज का निर्माण करना रहा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा अंतर्गत वर्तमान में नवीन स्वीकृत पद एवं रिक्त पद हेतु आ.बा. कार्यकर्ता/सहायिका के पद पर शासन द्वारा निर्धारित निर्देश एवं मानदंडों के अनुसार नियमानुसार नियुक्ति किया जाना हैं। इसके अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना विकासखण्ड साजा ग्राम पंचायत मोहतरा आं. बा. केंद्र मोहतरा 01 मे आं.बा. कार्यकर्ता के 01 पद, विकासखण्ड साजा के ग्राम पंचायत लालपुर में आ. बा. केंद्र लालपुर में आ. बा. सहायिका के 01 पद पर आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। आवेदन संबंधित नगरीय की आवेदिकाओ द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में 03 अगस्त 2026 से 17 अगस्त 2026 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय बेमेतरा में कार्यालयीन समय 10:00 से 5:30 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जमा किये जायेगे। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेगे। आंगनबाड़ी सहायिका के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं व आगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12 वी बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए। एक वर्ष या अधिक सेवा अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। आवेदिका को ग्रामीण क्षेत्रों में उसी नगरी वार्ड की स्थानीय निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी हुआ है। तथा नगरीय क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड हेतु विज्ञापन जारी हुआ है। सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित प्रति के साथ आवेदन पत्र सम्बन्धित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में निर्धारित अंतिम तिथि तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है।

भटगांव पुलिस की कार्रवाई, 9.295 किलो गांजा के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले की भटगांव पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 9.295 किलोग्राम गांजा के साथ एक महिला और एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा, एक एक्टिवा, दो मोबाइल फोन और नकदी जब्त कर दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

वाहन चेकिंग के दौरान मिली सफलता-पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय तथा एसडीओपी विजय ठाकुर के निर्देशन में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी के नेतृत्व में 3 अगस्त को थाना के सामने वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान

मुखबिर से सूचना मिली कि सरसीवां की ओर से एक एक्टिवा (छ्त्त 12 क्ष्क्क 7563) में एक युवक और एक महिला गांजा लेकर कोरबा की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया।

सीट के नीचे और बैग से मिला गांजा-पूछताछ में चालक ने अपना नाम विजय कुमार पालकर (26 वर्ष) निवासी जिला जांजगीर-चांपा, वर्तमान निवासी सीतामणी, कोरबा बताया। वहीं पीछे बैठी महिला ने अपना नाम रंजीता दुबे (38 वर्ष) निवासी प्रगति नगर, दर्री, जिला कोरबा बताया। तलाशी लेने पर एक्टिवा की सीट के नीचे दो पैकेट और महिला के बैग से तीन पैकेट गांजा बरामद हुआ। कुल 9.295 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। पूछताछ में महिला ने बताया कि गांजा उसने ओडिशा के पदमपुर क्षेत्र से खरीदा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 9.295 किलो गांजा, एक्टिवा वाहन, दो मोबाइल फोन और नकदी राशि जब्त की। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी, सहायक उपनिरीक्षक बलीराम निराला, प्रधान आरक्षक नवीन ठाकुर, श्रवण बरिहा, राजेंद्र चंद्रा, शशि खूंटे, राहुल खूंटे, महिला आरक्षक रीना बघेल, मोहन कुमारी तथा भटगांव थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मकान मालिकों के लिए किराएदार का पुलिस सत्यापन अनिवार्य, आदेश का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार अब जिले के सभी मकान मालिकों के लिए अपने किराएदारों की पूरी जानकारी संबंधित नजदीकी थाना प्रभारी को देना अनिवार्य होगा। बिना पुलिस को सूचना दिए किसी भी व्यक्ति को मकान या भवन किराए पर देना अथवा लेना प्रतिबंधित रहेगा।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कई बार असामाजिक एवं आपराधिक तत्व अपनी पहचान छिपाकर नगरीय एवं नगर बाह्य क्षेत्रों में किराए के मकानों में निवास करते हैं, जिससे शांति व्यवस्था, जनसुरक्षा और सार्वजनिक संपत्ति को खतरा उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा यह भी पाया गया है कि अधिकांश मकान मालिक अपने किराएदारों तथा घरेलू नौकरों का सत्यापन नहीं कराते और उनकी जानकारी पुलिस को उपलब्ध नहीं कराते, जिससे अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने में कठिनाई होती है।इसी को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से आदेश जारी किया गया है कि कोई भी मकान मालिक संबंधित थाना प्रभारी को किराएदार का पूरा विवरण उपलब्ध कराए बिना अपना मकान या उसका कोई भी हिस्सा किराए पर नहीं देगा। वहीं, जो लोग पहले से किराएदार के रूप में रह रहे हैं, उनके मकान मालिकों को भी तत्काल संबंधित थाने में उनकी जानकारी जमा करनी होगी। आदेश के अनुसार प्रत्येक किराएदार का नाम, स्थायी एवं वर्तमान पता, मोबाइल नंबर, वैध पहचान पत्र का विवरण तथा पहचान क्रमांक अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाएगा। बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को आवास किराए पर नहीं दिया जाएगा। मकान मालिकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संबंधित थाना प्रभारी को दी जाने वाली सूचना में सभी आवश्यक जानकारियां शामिल हों। इसके साथ ही यदि किसी किराएदार अथवा उसके यहां आने वाले किसी आगंतुक की गतिविधि संदिग्ध प्रतीत होती है, तो उसकी सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना या चौकी को देना भी अनिवार्य होगा।पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश जनसुरक्षा, शांति व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को मजबूत करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सुशासन तिहार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की समीक्षा के साथ हर घर तिरंगा एवं स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर अधिकारियों को दिए अहम निर्देश

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और जनशिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन की शिकायतों के समयबद्ध निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सुशासन तिहार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, कलेक्टर जनदर्शन तथा विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, शिक्षा, आदिवासी विकास, विद्युत सहित सभी विभागों के लंबित मामलों की विभागवार जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनदर्शन एवं सुशासन तिहार के माध्यम से प्राप्त शिकायतें सीधे आमजन की अपेक्षाओं से जुड़ी होती हैं। इनका समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण ही सुशासन की वास्तविक पहचान है। कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय प्रमुखों को आगामी 15 दिनों के भीतर विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक सप्ताह प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गरिमामय एवं भव्य होगा जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह परंपरा, गरिमा और राष्ट्रभक्ति की भावना के अनुरूप आयोजित किया जाएगा। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों एवं शहीदों के परिवारों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा स्कूली विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मार्च पास्ट एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां भी सौंपीं। पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था, नगर पालिका को साफ-सफाई एवं साज-सज्जा, स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस एवं प्राथमिक उपचार, विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा लोक निर्माण विभाग को कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समन्वय के साथ करें तैयारियां पूर्ण

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश का गौरवपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है, जिसे पूरी गरिमा, उत्साह और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ समय रहते सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा कार्यक्रम का प्रभावी लाइव प्रसारण एवं फोटोग्राफी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय उत्सव से जुड़ सकें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज, जिले के समस्त एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाने पर जोर

बैठक में आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिक कार्यक्रम न रहकर जन-जन की भागीदारी वाला राष्ट्रीय अभियान बने। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए तथा प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों, कॉलेजों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वयं सहायता समूहों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से प्रभात फेरियां, तिरंगा रैलियां, देशभक्ति गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही सभी शासकीय भवनों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख चौराहों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा सोशल मीडिया एवं स्थानीय समाचार माध्यमों के जरिए अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। जनपद पंचायतों को अपने-अपने क्षेत्रों में शत-प्रतिशत घरों तक तिरंगा पहुंचाने का लक्ष्य भी दिया गया।

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

संपादकीय

'लोक परीक्षा बिल 2026' पास, पर क्या सच में खत्म होगी छात्रों की चिंता?

काकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर शुरू हुआ विद्यार्थियों का आंदोलन तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार की ओर से परीक्षा प्रणाली में सुधार के आश्वासन के बाद ही समाप्त हुआ था। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर समेत देश भर में विद्यार्थियों के सड़क पर आवाज बुलंद करने के बाद हरकत में आई सरकार की ओर से प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए लाए गए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' को बुधवार को लोकसभा की मंजूरी मिल गई।उम्मीद की जा रही थी कि विद्यार्थियों के आंदोलन से निकले इस विधेयक की अहमियत के मद्देनजर संसद में इस पर व्यापक और सार्थक चर्चा होगी, इसकी कमियों पर विचार होगा और नए सुझाव सामने आएंगे, जिनके आधार पर एक सशक्त कानून बनाया जाएगा।मगर, इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि चर्चा का यह दौर भी हंगामे की भेंट चढ़ गया, जिसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष का आरोप है कि उसे बोलने नहीं दिया गया, वहीं सत्तापक्ष का कहना है कि विपक्षी नेताओं ने विधेयक पर चर्चा को केंद्र में नहीं रखा।विपक्ष सड़क से लेकर संसद तक विद्यार्थियों पर प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग का मुद्दा लगातार उठाता रहा है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी संकेत दिया है कि वह पुलिस की सख्ती से जुड़े मामले की जांच के लिए विशेष दल का गठन कर सकता है।काकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर शुरू हुआ विद्यार्थियों का आंदोलन तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार की ओर से परीक्षा प्रणाली में सुधार के आश्वासन के बाद ही समाप्त हुआ था। लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक इन्हीं सुधारों की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है।माना जा रहा था कि इस विधेयक में अगर कोई कमी रह गई होगी, तो संसद में व्यापक चर्चा के दौरान पेश किए जाने वाले सुझावों के माध्यम से इसे दूर किया जा सकता है। मगर चर्चा के दौरान लोकसभा में जिस तरह का माहौल देखा गया, उससे यह विश्वास करना मुश्किल है कि शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए वास्तव में सख्त एवं सक्षम कानून बनाने के गंभीर प्रयास हुए हों।विपक्ष की ओर से सवाल उठाना स्वाभाविक है, लेकिन यह सत्तापक्ष का दायित्व है कि वह आशंकाओं का निवारण करे और चर्चा को सही दिशा में ले जाए। अगर संसद में बिना सार्थक चर्चा के ही किसी विधेयक को पारित कर दिया जाए, तो जाहिर है कि उस पर भविष्य में भी सवाल उठते रहेंगे।दूसरी ओर विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान उन पर बल प्रयोग का मुद्दा भी अहम है। यह प्रश्न शुरू से उठता रहा है कि क्या सुरक्षाबलों के लिए यही एक अंतिम विकल्प था? अगर विद्यार्थियों के संसद मार्च से पहले ही सरकार ने संवाद के जरिए उन्हें भरोसे में लेने की कोशिश की होती, तो संभवत- इस स्थिति को टाला जा सकता था।सवाल प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन और एके-47 राइफल से गोलियां चलाने को लेकर भी उठा है।

मोदी सरकार के लिए जेन-जी आंदोलन आउट ऑफ सिलेबस सवाल था

(डॉ सुधांशु बाजपेई)

लेकिन गाली देने वाली इसी पीढ़ी ने आंदोलन के दौरान महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित और बराबरी वाला माहौल दिया, भीड़ मे बड़ी संख्या में लड़कियाँ थीं, इसके बावजूद, उनमें से कई ने महसूस किया कि वे वहाँ दिल्ली के कई सार्वजनिक बाज़ारों और मेट्रो से भी अधिक सुरक्षित थीं। एक महीने से अधिक समय तक चले इस आंदोलन में छेड़खानी या लैंगिक उत्पीड़न की कोई घटना सामने नहीं आई। यह सिर्फ़ आंदोलन की सफलता नहीं थी, बल्कि इस पीढ़ी की लैंगिक चेतना,आपसी सम्मान और जेंडर सेंसिटिविटी (लैंगिक संवेदनशीलता) का भी प्रमाण है।

जेन-जी अब सिर्फ एक कीवर्ड नहीं बल्कि इस दौर की सबसे अहम 'चाबी' भी है। सत्ता इस पीढ़ी को पुराने नैरेटिव का ककहरा नहीं पढ़ा सकती। उलटे, इस पीढ़ी ने ही सत्ता को नए समय का क ख ग पढ़ाना शुरू कर दिया है , अभी तो सेशन शुरू हुआ है। अभी तो ये जेन जी इंटरनल, एक्सटर्नल, मिड टर्म, टर्म सब लेगा। और उस परीक्षा में न नेहरू बचाने आयेंगे, न मंदिर मस्जिद काम आयेगा, न पाकिस्तान चीन और न हिन्दू खतरे में है का राग, क्योंकि जब सत्ता के गलियारे में चड्डी पहनकर फूल खिला उस वक्त ये पीढ़ी खुद चड्डी में थी, तो इसे आपातकाल, नेहरू, इंदिरा सब कहानी लगता है। जिन पुराने नैरेटिव- सिलेबस का सरकारी इको सिस्टम आदी था यह द्दद्गठ्ठ 5 उनके लिए आउट ऑफ सिलेबस निकला। यह कुछ भी अचानक नहीं हुआ, यह एक दशक के दमन, निरंकुशता, उपेक्षा के खिलाफ धीरे धीरे उफनते आक्रोश का प्रस्फुटन था। पिछले सालों में सैकड़ों पेपर लीक हुए, जिससे करोड़ों छात्र प्रभावित होते रहे। पेपर चोरी के मामले अक्सर सरकारें आश्वासन देने के बावजूद सरकार कोई ठोस जवाबदेही से भागती नजर आयी। कई बार तो छात्रों के आंदोलन करने के बावजूद यह माना ही नहीं गया कि पेपर लीक हुआ है उत्तर प्रदेश में यूपीएसआई और लेखपाल भर्ती में पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन इसका उदाहरण है। पेपर लीक के खिलाफ त्द्गठ्ठ" आंदोलन सिर्फ एक आंदोलन नहीं था, बल्कि एक दशक का दर्द थश्चा, यह उन लाखों युवाओं की पीड़ा की आवाज थी, जिनकी मेहनत बार-बार पेपर लीक, भर्ती घोटालों और व्यवस्था की विफलताओं की भेंट चढ़ती रही। घर-परिवार की उम्मीदों का भार कंधों पर उठाए, माँ-बाप के सपनों को अपनी आँखों में बसाए जब वे किसी बस या जनरल डिब्बे में राशन की गठरी लेकर अपने गाँवों से शहरों की ओर निकलते हैं, तो वो उम्मीद का चेहरा होता है कि सरकारी नौकरी ही वो सीढ़ी है जिससे उनका और उनके परिवार का क्लास बदल सकता है, जीवन बदल सकता है। यह आंदोलन इस उम्मीद ङ्क इस सपने को बचाए रखने के लिए था कि किसी मजदूर ङ्क किसी रिक्शे वाले, किसी गुमटी वाले का बेटा भी अपनी मेहनत से अपनी और अपने परिवार की पीढ़ियों की गरीबी को दूर कर सकेगा। पिछले कुछ वर्षों में इन चेहरों पर उम्मीद से ज्यादा हताशा ने अपनी छाप छोड़ी है। बार-बार टलती परीक्षाएँ, पेपर लीक, रद्द होती भर्तियाँ और अधर में लटकते साक्षात्कार-इन सबने इनके आत्मविश्वास पर गहरे घाव किए हैं। अगर आपको जानना हो कि इस देश के युवाओं से कितनी बार उनका भविष्य छीना गया है, तो आँकड़ों की तालिकाएँ मत देखिए, बस कुछ देर इन चेहरों के सामने बैठ जाइए। उनकी आँखें आपको हर उस तारीख़ का हिसाब दे देंगी, जब उनकी मेहनत व्यवस्था की लापरवाही और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। बदले में सवाल उठाने पर उन्हें लाठी-गोली मिलती, दिल्ली में भी एक बार फिर सत्ता ने इन्हीं हथियारों से डराना चाहा लेकिन सरकार भूल गई उनके पास खोने को कुछ नहीं, जेन 5 मतलब किशोरवय जिसे फ्रायड तूफानों की उम्र कहते हैं, जो लाठी- गोली क्या तोप के सामने भी खड़ा कर दिया जाए तो पीछे न हटे। यही हुआ भी वो डरने के बजाय लाठी-गोली के सामने तनकर खड़े हो गए, मार लो जितना मारना है। वाटर कैनन के सामने डांस करने लगे, पुलिस से खिलवाड़ करने लगे। अराजकता का आरोप लगाने वाले ईमानदारी से बात करें तो इससे पहले के आंदोलनों में और छात्रसंघों के दौर में लाखों होते तो क्या ही करते, हजार की भीड़ में ही बिना गोली बम चले, बिना गाड़ियों मे तोड फोड़ किए ङ्क आग लगाए, ट्रेन रोके, पटरिया उखाड़े कोई आंदोलन ही पूरा नही होता था, कई बार तो दुकानें तक लूट ली जाती थी। इस जनरेशन के प्रोटेस्ट मे इतनी भीड़ के बावजूद कितनी दुकान शॉपिंग मॉल तोड़े फोड़े गए? कितने गोली बंदूक बम चले? कितनी गाड़ियां जलाई गई। लखनऊ इलाहाबाद से लेकर तमाम विश्वविद्यालयो के छात्रसंघ आंदोलन इसके गवाह रहे हैं। इस पीढ़ी की- इस आंदोलन की यही सबसे खूबसूरत बात दिखी कि जिसे हम सब सबसे अगंभीर पीढ़ी कहते थे वो सबसे ज्यादा अनुशासित और रचनात्मक निकली। ये गाँधी के सच्चे वारिस साबित हुए। लाखों की भीड़ के बावजूद अहिंसा और धैर्य के साथ आंदोलन

चलता रहा, लाठीचार्ज के बावजूद उन्होंने पुलिस से नफरत नहीं की उन्हें भी साथ ही चाय पिलाई-खाना खिलाया। उनकी भाषा देखकर मुझे भी निराशा हुई लेकिन उस भाषा में उनकी रचनात्मकता का जो प्रयोग था उसमें अश्लीलता का भाव कभी आने ही नहीं पाया सिवाय हास्यबोध के, फिर क्या इस भाषा के लिए सिर्फ वो जिम्मेदार हैं, क्या इसके लिए ये सरकार बराबर की जिम्मेदार नहीं है, उस पार्टी और उसके आईटी सेल से जुड़े लोग नहीं हैं जो अपने विचार से असहमत लोगों के कमेंट बॉक्स गालियों से भर देती है, ओटीटी और रियलिटी शोज के नाम पर गालियों का सामान्यीकरण कर दिया गया, गाली देना कूल बना दिया गया। लेकिन गाली देने वाली इसी पीढ़ी ने आंदोलन के दौरान महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित और बराबरी वाला माहौल दिया, भीड़ मे बड़ी संख्या में लड़कियाँ थीं, इसके बावजूद, उनमें से कई ने महसूस किया कि वे वहाँ दिल्ली के कई सार्वजनिक बाज़ारों और मेट्रो से भी अधिक सुरक्षित थीं। एक महीने से अधिक समय तक चले इस आंदोलन में छेड़खानी या लैंगिक उत्पीड़न की कोई घटना सामने नहीं आई। यह सिर्फ़ आंदोलन की सफलता नहीं थी, बल्कि इस पीढ़ी की लैंगिक चेतना,आपसी सम्मान और जेंडर सेंसिटिविटी (लैंगिक संवेदनशीलता) का भी प्रमाण है । इस जेन जेड आंदोलन की सबसे बड़ी स्वाभाविक विशेषता इसका सेक्यूलर चरित्र था, इस आंदोलन ने साबित किया कि यह पीढ़ी धर्म से ऊपर इंसान को देखने का विवेक रखती है। यहाँ पहचान का आधार धर्म नहीं, साझा संघर्ष था। भीड़ में हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई और हर पृष्ठभूमि के छात्र मौजूद थे, लेकिन सबकी पहचान सिर्फ़ एक थी, किसी ने किसी का नाम या मज़हब नहीं पूछा। एक-दूसरे के लिए पानी लाने वाले हाथों ने धर्म नहीं देखा, धूप में साथ खड़े कंधों ने जाति नहीं पूछी और अन्याय के खिलाफ उठी आवाजों ने किसी आस्था के आधार पर भेद नहीं किया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों में से एक ये भी थी। जिस समय समाज को लगातार धार्मिक पहचान के आधार पर बाँटने की कोशिशें दिखाई देती हैं, उसी समय इस आंदोलन ने दिखाया कि शिक्षा, रोज़गार और भविष्य के सवाल लोगों को विभाजित नहीं, बल्कि एकजुट भी कर सकते हैं। यही नहीं वह सत्ता के इस चरित्र को भी लेकर भी बेहद सचेत थे कि वो हमारी एकता को हिंदू मुस्लिम करके तोड़ना चाहेंगे, इसीलिए सत्ता के हिन्दू - मुस्लिम नैरेटिव का उन्होंने जिस खूबसूरती से एक नारे में जवाब दे दिया कि जब जब सत्ता डरती है- हिन्दू मुस्लिम करती है' ये भी काबिले तारीफ है। इस पीढ़ी ने पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता और संवेदनशीलता से भी अचंभित किया, आंदोलन में हम एक बच्चे से पानी मांगकर पिए और खली बोतल वहीं फेंक दिए, उसने मुझे वहीं टोका-भैया बोतल हम अपने बैग में रखकर बाहर डस्टबिन में फेक देंगे, सुनकर मैं खुद शर्मिंदा हुआ लेकिन उस की पीठ ठोकी, गर्व हुआ। भारत में अक्सर यह माना जाता है कि किसी रैली, जुलूस या प्रदर्शन के बाद सार्वजनिक जगहों की सफ़ाई करना आयोजकों या प्रतिभागियों की ज़िम्मेदारी नहीं है, कूड़ा फैलाना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, कार्यक्रम समाप्त होता है और पीछे छूट जाते हैं- प्लास्टिक की बोतलें, रैपर, पैकेट, पोस्टर, बैनर और कूड़े का ढेर। लेकिन इस आंदोलन में जुलूस समाप्त होने के बाद अनेक प्रतिभागी वहीं रुके। उन्होंने अपने हाथों से मैदान और सड़क पर फैला कूड़ा उठाया, प्लास्टिक इकट्ठा किया और सार्वजनिक स्थल को यथासंभव साफ़ करके लौटे। कुल मिलाकर इस प्रोटेस्ट ने इस जेनरेशन को और अधिक डेमोक्रेटाइज किया, प्रोटेस्ट के लिए और अधिक ट्रेंड कर दिया, लाठी-गोली का फियर वाशआउट कर दिया,यह लोकतंत्र के लिए सुखद है, ये देश सुरक्षित हाथों में है जो हमसे ज्यादा स्मार्ट,जेंडर सेंसिटिव, ईको सेंसिटिव, सेक्यूलर और प्रोग्रेसिव है। इस आंदोलन ने ये प्रूव किया कि यह पीढ़ी न सिर्फ़ अपने अधिकारों के लिए वोकल है, बल्कि एक अधिक सुरक्षित, बराबरीपूर्ण और गरिमामय सार्वजनिक संस्कृति भी गढ़ रही है। (लेखक यूपी कांग्रेस के प्रवक्ता हैं) (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आख़िर क्या हो 'प्रदर्शन प्रोटोकॉल' ताकि न होने पाए उपद्रव?

(कमलेश पांडे)

आयोजकों को समय, मार्ग, अनुमानित भीड़ और जिम्मेदार पदाधिकारियों की जानकारी पहले से देनी चाहिए। आयोजक यह लिखित आश्वासन दें कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। हिंसा होने पर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई में सहयोग करेंगे। प्रदर्शन के लिए तय मार्ग और स्थान हों, ताकि अस्पताल, स्कूल, एम्बुलेंस और आवश्यक सेवाएं बाधित न हों। किसी भी लोकतंत्र में प्रदर्शन का अधिकार और जन-जीवन की सुरक्षा–दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए ऐसा प्रोटोकॉल होना चाहिए जो शांतिपूर्ण विरोध की रक्षा करे, लेकिन हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ को रोके। गत दिनों कॉकरोच जनता पार्टी/सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली या अन्य राज्यों में जो कुछ हुआ, उससे यह प्रश्न एक बार पुनः प्रासंगिक हो चुका है। चूंकि इससे पहले भी अनेक प्रदर्शन उग्र हुए, जिससे सरकारी व निजी संपत्ति की क्षति हुई, पर कार्रवाई वही लीपापोती वाली या फिर दलगत प्रतिशोध जैसी, जबकि दोनों अनुचित हो। ऐसी कोई भी कार्रवाई निष्पक्ष होनी चाहिए। जानकारों की राय में एक संतुलित प्रदर्शन प्रोटोकॉल इस प्रकार हो सकता है- पहला, पूर्व अनुमति और उत्तरदायित्व- आयोजकों को समय, मार्ग, अनुमानित भीड़ और जिम्मेदार पदाधिकारियों की जानकारी पहले से देनी चाहिए। दूसरा, शांति की लिखित प्रतिज्ञा- आयोजक यह लिखित आश्वासन दें कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। हिंसा होने पर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई में सहयोग करेंगे। तीसरा, निर्धारित स्थान और मार्ग- प्रदर्शन के लिए तय मार्ग और स्थान हों, ताकि अस्पताल, स्कूल, एम्बुलेंस और आवश्यक सेवाएं बाधित न हों। चौथा, वीडियो रिकॉर्डिंग और बॉडी कैमरा- पुलिस और आयोजकों–दोनों की ओर से रिकॉर्डिंग हो, ताकि बाद में यह स्पष्ट हो सके कि हिंसा किसने शुरू की। पांचवां, हथियार और खतरनाक सामग्री पर प्रतिबंध- लाठी, पेट्रोल, पत्थर, ज्वलनशील पदार्थ या अन्य खतरनाक सामान लाने पर रोक हो। छठा, चरणबद्ध पुलिस कार्रवाई- पुलिस पहले संवाद करे, फिर चेतावनी दे, उसके बाद ही आवश्यकता पड़ने पर न्यूनतम बल का प्रयोग करे। सातवां, तोड़फोड़ की भरपाई- यदि जांच में साबित हो कि किसी व्यक्ति या समूह ने सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, तो उससे क्षतिपूर्ति वसूली जाए। केवल भीड़ में मौजूद होने के आधार पर किसी पर दायित्व न डाला जाए। आठवां, उकसाने वालों की पहचान- सीसीटीवी, ड्रोन और वीडियो साक्ष्यों के आधार पर वास्तविक उपद्रवियों की पहचान कर कार्रवाई हो। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसक तत्वों में स्पष्ट अंतर किया जाए। नौवां, स्वतंत्र निगरानी- बड़े प्रदर्शनों में न्यायिक या स्वतंत्र पर्यवेक्षकों की व्यवस्था हो, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों–दोनों की जवाबदेही बनी रहे। दसवां, समान कानून, समान अनुपालन- नियम किसी भी संगठन, दल, जाति या विचारधारा के लिए अलग-अलग नहीं होने चाहिए। कानून का निष्पक्ष और समान रूप से पालन ही जनता का विश्वास बढ़ाता है। ऐसा प्रोटोकॉल लोकतंत्र को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करेगा। इससे नागरिकों का शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार भी सुरक्षित रहेगा और समाज को हिंसा, आगजनी तथा सार्वजनिक संपत्ति की क्षति से भी बचाया जा सकेगा। ज्वलंत प्रश्न- प्रोटोकॉल टूटने पर राजनीतिक दलों और संगठनों के नेतृत्व व संलिप्त तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होना चाहिए या नहीं? चूंकि यह एक नीतिगत और कानूनी प्रश्न है। लिहाजा इसका संतुलित उत्तर यह है कि सिर्फ नेतृत्व के पद पर होने के कारण कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, लेकिन यदि कानून के अनुसार उनकी जिम्मेदारी या संलिप्तता सिद्ध होती है, तो अवश्य होनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में निम्न सिद्धांत उचित माने जा सकते हैं- एक, यदि नेतृत्व ने हिंसा के लिए उकसाया, उसका निर्देश दिया, या हिंसक गतिविधियों की योजना में शामिल था, तो उसके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। दो, यदि न्यायिक प्रक्रिया या जांच से यह सिद्ध हो कि नेतृत्व ने जानबूझकर हिंसा रोकने के अपने दायित्व की अनदेखी की, तो प्रासंगिक कानूनों के तहत जवाबदेही तय की जा सकती है। तीन, यदि प्रदर्शन की शर्तों का गंभीर उल्लंघन हुआ और आयोजक ने सहयोग नहीं किया, तो भविष्य में अनुमति पर प्रतिबंध, आर्थिक दंड या अन्य वैधानिक कार्रवाई जैसे उपाय किए जा सकते हैं। लेकिन केवल इसलिए कि कोई व्यक्ति किसी दल या संगठन का प्रमुख है, उसके विरुद्ध बिना साक्ष्य के कार्रवाई करना कानून के शासन और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगा। सबसे उपयुक्त व्यवस्था यह होगी कि व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी साक्ष्य के आधार पर तय हो। संगठनात्मक जिम्मेदारी अलग से तय हो, जैसे क्षतिपूर्ति या प्रशासनिक दंड। सभी दलों और संगठनों पर एक ही नियम समान रूप से लागू हों। अंतिम निर्णय स्वतंत्र जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर हो, न कि राजनीतिक दबाव में। इस प्रकार, कठोर जवाबदेही होनी चाहिए, लेकिन वह साक्ष्य, निष्पक्ष जांच और विधि के शासन पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल पद या राजनीतिक पहचान पर। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)।

सिर्फ आंकड़े नहीं, दूरदृष्टि भी जरूरी, बड़े फैसलों की असली कसौटी क्या है?

(अनंत पद्मनाभन)

आंकड़े हमें आज की तस्वीर दिखाते हैं, लेकिन कल की तस्वीर कल्पना बनाती है। तर्क हमें जमीन पर टिकाए रखता है, जबकि अंत:प्रेरणा हमें क्षितिज के उस पार देखने का साहस देती है। असाधारण उपलब्धियां तभी संभव होती हैं, जब दोनों साथ मिलकर काम करते हैं। हर बड़ा परिवर्तन पहले ऐसे विचार के रूप में जन्मा, जिसके समर्थन में तत्काल कोई ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं था। अगर हर नई संभावना को केवल उपलब्ध आंकड़ों से आंका जाता, तो अनेक खोजें, उद्योग और सामाजिक परिवर्तन कभी जन्म ही नहीं लेते। फिर भी अधिकांश लोग अंत:प्रेरणा पर भरोसा करने से हिचकते हैं। दरअसल, तथ्यों को प्रस्तुत करना आसान है, जबकि अंत:प्रेरणा को सिद्ध करना कठिन होता है।

डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मानवीय सोच के संतुलन को दर्शाती सांकेतिक फीचर इमेज, जो दूरदृष्टि और विवेकपूर्ण निर्णय की अवधारणा को प्रस्तुत करती है।दूरदृष्टि, तर्क और अंत:प्रेरणा के संतुलन से ही बेहतर निर्णय और प्रभावी नेतृत्व की राह बनती है।आज का समय आंकड़ों का समय है। हमारे हर निर्णय को संख्याओं, रिपोर्टों और विश्लेषणों की कसौटी पर परखा जाता है। कारोबार हो, शासन हो या व्यक्तिगत जीवन, हर जगह यह मान लिया गया है कि जितना अधिक विवरण होगा, निर्णय उतना ही बेहतर होगा।

मगर एक प्रश्न आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या केवल आंकड़े ही भविष्य का रास्ता दिखा सकते हैं? या फिर भविष्य की सही दिशा पहचानने के लिए अनुभव, कल्पना और अंत:प्रेरणा की भी उतनी ही आवश्यकता होती है?

जीवन के बड़े निर्णय बार-बार यह सिद्ध करते हैं कि सही दिशा वहीं मिलती है, जहां तर्क और अंतर्ज्ञान एक-दूसरे का हाथ थामते हैं। केवल तर्क निर्णय को कठोर बना देता है और केवल अंतर्ज्ञान उसे अनिश्चित बना सकता है। जब दोनों का संतुलन बनता है, तभी दूरदर्शी नेतृत्व और स्थायी सफलता जन्म लेती है।सूचनाओं की इस बाढ़ में जानकारी जुटाना कठिन नहीं रहा, लेकिन सही अर्थों में समझ विकसित करना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। आंकड़े हमें बताते हैं कि क्या हुआ है और क्या हो रहा है, पर वे हमेशा यह नहीं बताते कि आगे क्या हो सकता है। भविष्य का निर्माण केवल तथ्यों से नहीं होता, उसके लिए कल्पना, संवेदनशीलता और व्यापक दृष्टि की भी आवश्यकता होती है। यही वह गुण है, जो सामान्य प्रबंधक को दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता से अलग करता है।

भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। वर्ष 1964 में जब उन्होंने देश की बागडोर संभाली, तब भारत खाद्यान्न संकट और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा था। उनके सामने केवल उत्पादन और वितरण के आंकड़े नहीं थे, बल्कि करोड़ों लोगों की चिंता और असुरक्षा भी थी।

उन्होंने समस्या को केवल प्रशासनिक दृष्टि से नहीं देखा। उन्होंने देशवासियों से सप्ताह में एक समय भोजन छोड़ने का भावनात्मक आह्वान किया और साथ ही कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए ठोस नीतिगत कदम उठाए। बाद में उनका आह्वान 'जय जवान, जय किसान' केवल एक नारा नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का प्रतीक बन गया।

व्यापार जगत में यही दृष्टि ॥श्2ड्डह्स्र स्न्द्धह्वद्यह्ल5 में दिखाई देती है। इटली की यात्रा के दौरान उन्होंने देखा कि वहां के कॉफी हाउस केवल पेय पदार्थ बेचने की जगह नहीं, बल्कि लोगों के मिलने-जुलने और संवाद का केंद्र हैं। उन्होंने कल्पना की कि घर और कार्यस्थल के बीच ऐसा ही एक आत्मीय स्थान बनाया जा सकता है, जहां लोग कुछ देर ठहरकर अपनापन महसूस करें। इस विचार को साकार करने के लिए उन्होंने संचालन की दक्षता, गुणवत्ता और ग्राहकों की भावनात्मक अपेक्षाओं के बीच अद्भुत संतुलन स्थापित किया।

आंकड़े हमें आज की तस्वीर दिखाते हैं, लेकिन कल की तस्वीर कल्पना बनाती है। तर्क हमें जमीन पर टिकाए रखता है, जबकि अंत:प्रेरणा हमें क्षितिज के उस पार देखने का साहस देती है। असाधारण उपलब्धियां तभी संभव होती हैं, जब दोनों साथ मिलकर काम करते हैं।

हर बड़ा परिवर्तन पहले ऐसे विचार के रूप में जन्मा, जिसके समर्थन में तत्काल कोई ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं था। अगर हर नई संभावना को केवल उपलब्ध आंकड़ों से आंका जाता, तो अनेक खोजें, उद्योग और सामाजिक परिवर्तन कभी जन्म ही नहीं लेते।

फिर भी अधिकांश लोग अंत:प्रेरणा पर भरोसा करने से हिचकते हैं। दरअसल, तथ्यों को प्रस्तुत करना आसान है, जबकि अंत:प्रेरणा को सिद्ध करना कठिन होता है। लोगों का विश्वास, संगठन की संस्कृति, समाज की आकांक्षाएं और बदलती मानवीय आवश्यकताएं ऐसी वास्तविकताएं हैं, जिन्हें किसी तालिका में पूरी तरह नहीं बांधा जा सकता। ऐसे अवसरों पर अनुभव और संवेदनशीलता ही सही दिशा दिखाते हैं। संख्याएं यह अवश्य बता देती हैं कि क्या घटित हो रहा है, लेकिन वे हमेशा यह नहीं समझा पातीं कि उसके पीछे कौन-सी मानवीय आकांक्षाएं काम कर रही हैं। जब कोई नया विचार मन में आए, तो उसे केवल इसलिए स्वीकार नहीं करना चाहिए कि वह आकर्षक लगता है और केवल इसलिए अस्वीकार भी नहीं कर देना चाहिए कि उसके पक्ष में तत्काल पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। उसे तथ्यों की कसौटी पर परखना चाहिए, प्रश्न पूछने चाहिए और अपनी धारणाओं को चुनौती देनी चाहिए।

हम अक्सर आंकड़ों के मोह में अपनी मौलिकता को सीमित कर लेते हैं। यह नहीं भूलना चाहिए कि मशीनें गणना कर सकती हैं, लेकिन भविष्य की कल्पना अभी भी मनुष्य ही कर सकता है। भविष्य उन्हीं का होगा, जो आंकड़ों को अपना स्वामी नहीं, बल्कि सहयोगी बनाएंगे। तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विश्लेषणात्मक उपकरण जितने भी विकसित हो जाएं, मानवीय संवेदनशीलता, अनुभव और दूरदृष्टि का कोई विकल्प नहीं हो सकता। जब अंत:प्रेरणा को तर्क की कसौटी पर परखा जाता है, तब वह केवल अनुमान नहीं रहती, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णय का आधार बन जाती है। सोच का विस्तार करने का अर्थ मस्तिष्क और हृदय के बीच संतुलन स्थापित करना है। तर्क हमें वास्तविकता से जोड़े रखता है, जबकि कल्पना हमें नई संभावनाओं की ओर ले जाती है। एक हमें यह समझने में सहायता करता है कि संसार आज कैसा है और दूसरा यह विश्वास जगाता है कि उसे कल और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है। जो लोग बड़ी तस्वीर देखना सीख लेते हैं, वे केवल परिस्थितियों के अनुसार निर्णय नहीं लेते, बल्कि आने वाले समय की दिशा भी तय करते हैं। यही व्यापक दृष्टि साधारण निर्णयों को असाधारण उपलब्धियों में बदल देती है।

शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रशासन सख्त, स्कूलों, लाइब्रेरी और छात्रावासों का किया निरीक्षण

मावा मॉडल लाइब्रेरी से छात्रावास तक पहुंचे सीईओ हरेश मंडावी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर:-कांकेर 3 अगस्त 2026 जिला पंचायत उत्तर बस्तर कांकेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने सोमवार को विकासखंड अंतागढ़ के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, मावा मोदोल पुस्तकालयों, छात्रावासों तथा जिला प्रशासन द्वारा संचालित नवाचारों का व्यापक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण, गुणवत्तापूर्ण संसाधनों की उपलब्धता तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत मावा मोदोल लाइब्रेरी, आमाबेड़ा से हुई। यहाँ शीघ्र प्रारंभ होने वाली अध्ययन गतिविधियों की तैयारियों का अवलोकन करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिला मिशन समन्वयक नवनीत पटेल को निर्देशित किया कि पुस्तकालय के संचालन से पूर्व विद्यार्थियों का पंजीयन, पर्याप्त बैठक व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की नवीन एवं उपयोगी पुस्तकों की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ समय पर सुनिश्चित की जाएँ, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन का अनुकूल वातावरण मिल सके। इसके पश्चात उन्होंने बीएसएफ कैम्प, कड़ईकोडरा का निरीक्षण कर वहाँ संचालित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए तथा समन्वय बनाकर कार्य करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), अंतागढ़ पहुँचकर मंडावी ने छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने छात्राओं के स्वास्थ्य, आवास, भोजन तथा अध्ययन व्यवस्था की जानकारी लेते हुए वर्तमान मौसम में मलेरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, परिसर की स्वच्छता तथा आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। इसके बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मावा मोदोल लाइब्रेरी, अंतागढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों से मुलाकात की। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अध्ययन समय और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की तथा उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन और लक्ष्य आधारित तैयारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों को प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित नवीन एवं गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने बालक छात्रावास, भानुप्रतापपुर का भी दौरा किया। छात्रावास भवन में चल रहे निर्माण एवं अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित एजेंसी को शेष निर्माण कार्य एवं आवश्यक व्यवस्थाएँ 15 दिनों के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों के लिए आवासीय कोचिंग व्यवस्था शीघ्र प्रारंभ की जा सके। अंतिम चरण में मावा मोदोल लाइब्रेरी, कोरर का निरीक्षण किया गया। यहाँ भी विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की पर्याप्त पुस्तकें, स्वच्छ पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा अध्ययन के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य जिले के प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अध्ययन संसाधन तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराना है।

नाबालिगों को वाहन देने पर होगी सख्त कार्रवाई, अभिभावकों पर 25 हजार जुर्माना और 3 साल तक की सजा का प्रावधान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन एवं जिला परिवहन विभाग ने जिले के नागरिकों, विशेषकर माता-पिता और अभिभावकों से अपील की है कि वे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी परिस्थिति में वाहन चलाने के लिए न दें। सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने तथा नाबालिगों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने नियमों के सख्ती से पालन कराने की बात कही है।

जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार का गियर या बिना गियर वाला निजी अथवा व्यावसायिक वाहन चलाने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार नाबालिगों द्वारा दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो उनके साथ-साथ अन्य राहगीरों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

अभिभावकों पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो वाहन मालिक अथवा उसके माता-पिता/अभिभावक के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों के उल्लंघन पर 25 हजार रुपये तक का जुर्माना, 3 वर्ष तक की कैद, संबंधित वाहन का पंजीयन निरस्त किए जाने की कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा संबंधित नाबालिग को 25 वर्ष की आयु पूरी होने तक ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा।

अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन से की अपील

जिला परिवहन अधिकारी ने सभी अभिभावकों एवं स्कूल प्रबंधन से जिम्मेदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि बच्चों के हाथों में वाहन देकर उनके भविष्य को खतरे में न डालें। उन्होंने कहा कि स्कूल या कोचिंग आने-जाने के लिए बच्चों को सार्वजनिक परिवहन, स्कूल बस, वैन या साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें।

जिले में चल रहा विशेष जांच अभियान

परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा जिलेभर में विशेष जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध बिना किसी रियायत के तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

15 अगस्त की तैयारियों के लिए कलेक्टर ने विभागों को दी जिम्मेदारी

सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

एग्रीस्टेक पंजीयन, जीरामजी के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

लेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी को आयोजन का नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए सभी विभागों को उनकी जिम्मेदारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन एवं अन्य लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।कलेक्टर ने एग्रीस्टेक (किसान पंजीयन) की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित पंजीयन को शीघ्र पूरा कराने के लिए सभी तहसीलदारों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही विकसित भारत ÷जी राम जी÷ योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों एवं अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

नहर में औद्योगिक अपशिष्ट जल छोड़ने की शिकायत पर पर्यावरण मंडल की कार्रवाई

यूनिवर्सल हैचरी और गणपति राइस मिल को नोटिस जारी, सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

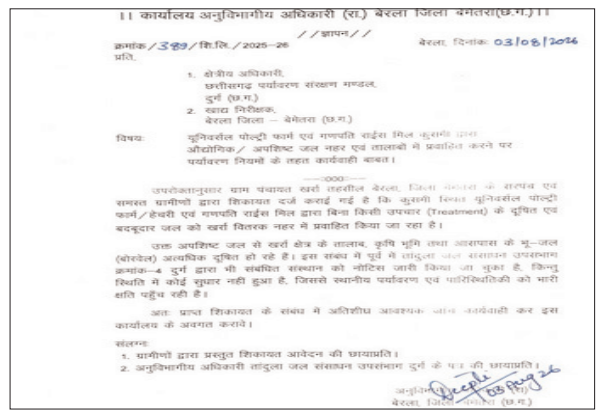

बेमेतरा जिले के बेरला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खर्रा के सरपंच एवं ग्रामीणों द्वारा यूनिवर्सल हैचरी प्राइवेट लिमिटेड तथा गणपति राइस मिल, कुसमी के विरुद्ध औद्योगिक अपशिष्ट एवं प्रदूषण संबंधी शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय भिलाई ने दोनों इकाइयों के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। पर्यावरण मंडल ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत दोनों संस्थानों को नोटिस जारी कर आवश्यक निर्देश दिए हैं।ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया था कि यूनिवर्सल पोल्ट्री फार्म एवं गणपति राइस मिल द्वारा बिना समुचित उपचार (ट्रीटमेंट) के दूषित एवं बदबूदार अपशिष्ट जल को खर्री वितरक नहर में छोड़ा जा रहा है। इससे नहर, तालाब, कृषि भूमि तथा आसपास के भू-जल स्रोतों के प्रदूषित होने की आशंका है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी संबंधित विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया था, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।शिकायत प्राप्त होने के बाद 3 अगस्त 2026 को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों ने दोनों इकाइयों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गणपति राइस मिल में बिना उपचार के औद्योगिक अपशिष्ट जल को परिसर से बाहर छोड़कर खर्री नहर तक पहुंचते हुए पाया गया। साथ ही इकाई में पर्याप्त एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (श्वञ्जक्क) स्थापित नहीं होने, ठोस अपशिष्ट के अनुचित निपटान तथा परिसर की साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने का उल्लेख नोटिस में किया गया है। वहीं यूनिवर्सल हैचरी प्राइवेट लिमिटेड के निरीक्षण में पोल्ट्री लिटर के वर्षा जल के साथ परिसर से बाहर बहने, ठोस अपशिष्ट के अनुचित निपटान तथा परिसर की साफ-सफाई में कमियां पाए जाने की बात कही गई है। पर्यावरण मंडल ने इसे पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों का उल्लंघन मानते हुए सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।पर्यावरण संरक्षण मंडल ने गणपति राइस मिल को तत्काल उद्योग बंद करने, विद्युत आपूर्ति विच्छेदित करने, वैध पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त किए बिना संचालन पुनः प्रारंभ नहीं करने, अपशिष्ट जल का बहाव तत्काल रोकने तथा कारण बताओ जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं यूनिवर्सल हैचरी को भी कमियों का तत्काल निराकरण करने, परिसर से अपशिष्ट का बहाव रोकने तथा पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाए जाने के संबंध में कारण बताओ जवाब प्रस्तुत करने के लिए 15 दिवस का समय दिया गया है।

ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों ने मांग की है कि पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य की दृष्टि से मामले में शीघ्र प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र के जल स्रोतों, कृषि भूमि और पर्यावरण को होने वाले संभावित नुकसान को रोका जा सके।

बाल मधुमेह बीमारी के इलाज के लिए महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं एएनएम को मिली ट्रेनिंग

क्षमता संवर्धन में स्वास्थ्य विभाग के साथ यूनिसेफ और एकम फाउंडेशन की रही सहभागिता

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

बच्चों को टाइप-1 डायबिटीज (बाल मधुमेह) जैसी गंभीर बीमारी से समय पर बचाव और उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा यूनिसेफ एवं एकम फाउंडेशन के सहयोग से महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं एएनएम का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले के विकासखंड में आयोजित इस प्रशिक्षण में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से 67 महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं एएनएम सहित कुल 80 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) सारंगढ़-बिलाईगढ़ डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वैष्णव के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) दीपक कुमार धारा, जिला नोडल अधिकारी (एनसीडी) डॉ. रूपेन्द्र कुमार साहू, डीईओ शेखर साहू, जिला प्रबंधक (प्रशिक्षण, मानव संसाधन) ममता जोल्हे, जिला लेखा प्रबंधक मनोज कुमार साहू, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार तथा एकम फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं एएनएम की क्षमता को सशक्त बनाना था, ताकि वे बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज के शुरुआती लक्षणों की समय पर पहचान कर उचित परामर्श, शीघ्र जांच, समय पर रेफरल और प्रभावी उपचार सुनिश्चित कर सकें। विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि बच्चों में अत्यधिक प्यास लगना, अधिक भूख लगना, बार-बार पेशाब आना या बिस्तर गीला करना, तेजी से वजन घटना, अत्यधिक कमजोरी और थकान जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे सामान्य नहीं समझना चाहिए। ऐसे बच्चों को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) की जांच करानी आवश्यक है। प्रशिक्षण में टाइप-1 डायबिटीज की सबसे गंभीर आपातकालीन स्थिति डायबिटिक कीटोएसिडोसिस (डीकेए) की पहचान पर भी विशेष जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि यदि बच्चे में तेज या गहरी सांस चलना, लगातार उल्टी, पेट दर्द, अत्यधिक कमजोरी, निर्जलीकरण, सांस से फल जैसी गंध आना अथवा बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे बिना देर किए अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू कराया जाना चाहिए। साथ ही बार-बार संक्रमण से ग्रसित बच्चों में भी मधुमेह की जांच कराने पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने समाज में प्रचलित भ्रांतियों को दूर करते हुए स्पष्ट किया कि टाइप-1 डायबिटीज बच्चों में भी हो सकती है और यह झाड़-फूंक या घरेलू उपचार से ठीक होने वाली बीमारी नहीं है। यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। ऐसे बच्चों को जीवनभर नियमित इंसुलिन उपचार की आवश्यकता होती है। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि समय पर पहचान, नियमित इंसुलिन, संतुलित आहार, रक्त शर्करा की नियमित निगरानी और चिकित्सकीय फॉलो-अप के माध्यम से टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चे भी स्वस्थ, सक्रिय और सामान्य जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रम में यूनिसेफ की ओर से डॉ. गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं एएनएम से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में बाल मधुमेह के प्रति समुदाय, अभिभावकों और परिवारों को जागरूक करने, संभावित मरीजों की शीघ्र पहचान कर उनकी रक्त शर्करा जांच, समय पर उपचार तथा उचित स्वास्थ्य संस्थान में रेफरल सुनिश्चित करने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला स्वास्थ्य विभाग, यूनिसेफ एवं एकम फाउंडेशन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कतार में खड़े आमजन के बीच जाकर कलेक्टर ने सुनी फरियाद

जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करने अधिकारियों को निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में पहुंचे आमजनों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान कलेक्टर ने जनदर्शन में लगी कतार में स्वयं पहुंचकर एक-एक आवेदक से चर्चा की तथा उनकी समस्याओं और मांगों की जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी ने भी आवेदकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, नक्शा बंटांकन, राजस्व संबंधी प्रकरण, शिकायत एवं मांग, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित अन्य विभागों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समय- सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर आवेदकों को निर्धारित समय में जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।जनदर्शन के दौरान जिला एवं विकासखंड स्तर के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। संबंधित अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को सुनकर आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करने का आश्वासन दिया।

मिलेट्स उत्पादन, प्रसंस्करण और किसान से उपभोक्ता तक मॉडल को मिली राष्ट्रीय पहचान

15 अगस्त को राष्ट्रपति से सम्मानित होंगे सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले के प्रगतिशील किसान कुलदीप पटेल

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने दी किसान को दी बधाई

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले के लिए यह अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है कि विकासखंड सारंगढ़ के ग्राम परसाडीह निवासी प्रगतिशील किसान कुलदीप पटेल को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्हें श्रीअन्न (मिलेट्स) के उत्पादन, वैज्ञानिक प्रसंस्करण तथा किसानों से सीधे खरीद कर उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया जा रहा है। किसान कुलदीप पटेल को 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित 'एट होम स्वागत समारोह' में शामिल होने के लिए भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस राष्ट्रीय समारोह में कृषि, विज्ञान, शिक्षा, उद्योग, नवाचार, सामाजिक विकास, संस्कृति, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले देश के चुनिंदा व्यक्तियों एवं संस्थाओं को आमंत्रित किया जाता है। इस समारोह में आमंत्रण प्राप्त होना राष्ट्र निर्माण में दिए गए उत्कृष्ट योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी पहचान माना जाता है।

वर्ष 2018 में स्थापित फसल बाजार के माध्यम से कुलदीप पटेल किसानों को केवल खेती तक सीमित न रखकर 'किसान से उपभोक्ता तक' मॉडल के जरिए संपूर्ण कृषि मूल्य श्रृंखला से जोड़ रहे हैं। उन्होंने 'गवई' ब्रांड के माध्यम से रागी, कोदो, कुटकी सहित विभिन्न मिलेट्स उत्पादों को नई पहचान दिलाई है। वे स्थानीय किसानों से सीधे मिलेट्स की खरीदी कर उसका वैज्ञानिक प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन करते हुए बाजार तक पहुंचा रहे हैं, जिससे किसानों को उचित मूल्य मिलने के साथ उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है। उनके प्रयासों से जिले में मिलेट्स की खेती को बढ़ावा मिला है तथा किसानों में प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और विपणन के प्रति जागरूकता विकसित हुई है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में कुलदीप पटेल ने कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू से सौजन्य भेंट कर राष्ट्रपति भवन से प्राप्त आमंत्रण पत्र की जानकारी साझा किया। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कुलदीप पटेल को इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिला और छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों के परिश्रम, नवाचार और क्षमता का सम्मान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कुलदीप पटेल की सफलता जिले के अन्य किसानों और युवाओं को कृषि आधारित उद्यमिता, मिलेट्स के उत्पादन तथा मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। जिला प्रशासन के अधिकारी, उप संचालक कृषि विभाग आशुतोष श्रीवास्तव, जनप्रतिनिधियों तथा जिले के किसानों ने भी कुलदीप पटेल को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने इसे सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के कृषि क्षेत्र की बढ़ती पहचान और किसानों की मेहनत का राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान है।

कक्षा 9वी में एडमिशन के लिए काउन्सलिंग की अंतिम तिथि 5 अगस्त

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनान्तर्गत छ.ग. राज्य में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों के सत्र 2026ङ्क27 की कक्षा 9वीं में परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् विभागीय व ` ब स ा इ ट https://eklavya.cg.nic.in/ पर काउन्सलिंग हेतु छात्र, छात्राओं की सूची एवं तिथि प्रदर्शित की गयी है।प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं (सत्र 2026ङ्क27) में प्रवेश हेतु काउन्सलिंग आर्वटित प्रयास आवासीय विद्यालयों में 22 जुलाई से 5 अगस्त तक विद्यालय में सुबह 11 से 4 बजे तक होगा काउन्सलिंग के दौरान जरूरी दस्तावेज-उत्तीर्ण छात्र, छात्राओं को निर्धारित काउन्सलिंग तिथि को अनिवार्य दस्तावेज लेकर काउन्सलिंग स्थल में उपस्थित होना होगा, जिनमें 1. कक्षा 08वीं की प्रथम श्रेणी (60त्न) उत्तीर्ण अंकसूची।2. प्रधानपाठक, प्राचार्य द्वारा जारी (कक्षा 8वीं में अध्ययनरत होने का) सत्यापन प्रमाण पत्र।

3. पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी नक्सल पीड़ित प्रमाण पत्र।4. राशि 10/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टम्प पेपर पर अल्पसंख्यक वर्ग अंतर्गत होने संबंधी नोटरी का सत्यापन प्रमाण पत्र।5. जाति प्रमाण पत्र।6. विशेष पिछड़ी जनजाति प्रमाण पत्र।

7. विशेष श्रेणी से चयनित विद्यार्थियों को काउन्सलिंग की तिथि को दिव्यांगता, दिव्यांग माता पिता के बच्चे होने, अनाथ बच्चे होने, विधवा माता की बच्चे होने, परित्यक्ता महिला के बच्चे होने, देश की रक्षा करते हुए या अपने कर्तव्य निर्वहन करते समय पुलिस /अर्द्धसैनिक / सशस्त्रबल /शहीद सैनिक के बच्चे होने का प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

8. काउन्सलिंग पश्चात् संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश की पात्रता होने का 03 दिवस के भीतर अनिवार्यतः जिला शिक्षा अधिकारी से काउन्टर हस्ताक्षरित स्थानान्तरण प्रमाण पत्र एवं जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जावे।

संक्षिप्त समाचार

खतरों के खिलाड़ी, डर का नया दौर

सबसे बड़ी लड़ाइयाँ दुनिया से नहीं, बल्कि डर से लड़ी जाती हैं।' यही विश्वास हर सीज़न में 'खतरों के खिलाड़ी' की पहचान रहा है और दो साल के इंतज़ार के बाद यह जंग अब और भी बड़े पैमाने पर लौट रही है। कलर्स एक बार फिर ले कर आ गया है इंडियाज़ का सबसे आइकॉनिक स्टंट-बेस्ड रियलिटी स्पेक्टेकल, अपने सबसे बड़े, सबसे बोल्ड और सबसे अनफ़ॉरगिविंग अवतार में, जो लेकर आया है 'डर का नया दौर'। ब्लॉकबस्टर फ़िल्ममेकर और एक्शन मास्ट्रो रोहित शेट्टी एक बार फिर संभाल रहे है टेलीविज़न के इस अल्टीमेट बैटलफ़ील्ड ऑफ़करेज़ की कमान। उनके साथ जुड़ हैं 13 निडर सेलिब्रिटीज़ गौरव खन्ना, फ़रहाना भट्ट, हर्ष गुर्जराल, रुबीना दिलैक, ओरहान अवात्रमणि (ऑरी), शगुन शर्मा, अविनाश मिश्रा, जैस्मिन भसीन, करण वाही, ऋत्विक धनजानी, विशाल आदित्य सिंह, अविका गोर और रुहानिका धवन। ये सभी तैयार हैं अपने सबसे गहरे डर का सामना करने के लिए, हिम्मत, सहनशीलता और सर्वाइवल की अल्टीमेट परीक्षा में। यह सिर्फ़एक मशहूर फ्रैंचाइज़ी की वापसी नहीं है; यह है डेंजर-टेनमेंट के नए दौर की शुरुआत। अपने लेजेंड्री होम ग्राउंड, केप टाउन, साउथ अफ्रीका 'डर का घर' पर लौटते हुए, फ्रैंचाइज़ी फिर से उस जगह पर पहुँच रही है जहाँ अनगिनत यादगार लड़ाइयाँ डर के खिलाफ़लड़ी गईं। लेकिन इस बार, डर बदल चुका है।

पोको ने लॉन्च किया पोको एम 8 पावर, नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट के लिए एक शानदार स्मार्टफोन

पोको ने आज भारत में अपना नया स्मार्टफ़ोन पोको एम8 पावर आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह स्मार्टफोन उन यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट और लंबी बैटरी लाइफ चाहते हैं। पावर योर बिंज के आइडिया पर आधारित यह फोन दमदार फीचर्स के साथ आता है। इसमें सबसे दमदार 8000mAh की सिलिकॉन-कार्बन बैटरी और शानदार एमोलेड डिस्प्ले मिलता है, जिससे यूजर्स बिना किसी रुकावट के लंबे समय तक वीडियो स्ट्रीमिंग, सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग और गेमिंग का आनंद ले सकते हैं। आज के समय में जब स्मार्टफोन मनोरंजन, कंटेंट क्रिएशन और रोजमर्रा की बातचीत का मुख्य जरिया बन चुके हैं, ऐसे में पोको एम8 पावर आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली के मुताबिक बनाया गया है। स्पेशल लॉन्च प्राइस - विशेष लॉन्च कीमत में 1,000 रुपये का कूपन डिस्काउंट शामिल है, जो सेल के पहले 12 घंटों के दौरान मान्य रहेगा। साथ ही 2,000 रुपये का इंस्टैंट बैंक डिस्काउंट या एक्सचेंज बोनस भी मिलेगा। पोको M8 पावर की बिक्री 7 अगस्त से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी। ग्राहक 9 महीने के नो-कॉस्ट ईएमआई ऑफर के जरिए पोको M8 पावर को 6GB + 128GB वैरिएंट के लिए 2,444 रुपये प्रति माह और 8GB + 128GB वैरिएंट के लिए 2,778 रुपये प्रति माह की शुरुआती कीमत पर भी अपना बना सकते हैं।

प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन से जुड़े लाखों युवा

नशे के खिलाफ युवा बनें जनआंदोलन का नेतृत्वकर्ता-उप मुख्यमंत्री

■ गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0 अभियान का भव्य आयोजन,

बिलासपुर। नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं माय भारत , युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0 अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्रव्यापी वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारा युवा नशे से मुक्त, स्वस्थ, अनुशासित और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित होगा। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। आज प्रत्येक युवा को नशा मुक्त भारत अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनकर अपने गांव, शहर और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का भी केंद्र है। विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास ही वास्तविक शिक्षा है। नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान युवाओं को राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराने वाला महत्वपूर्ण अभियान है।बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, नवाचार, खेल और समाज सेवा में लगाएंगे तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त होगा। प्रत्येक युवा को इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक , रैली एवं रक्तदान शिविर का विशेष आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल,नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. ए.के. दीक्षित,माय भारत के उप निदेशक नितिन शर्मा सहित विश्वविद्यालय परिवार, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राजेंद्र मेहता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं,माय भारत स्वयंसेवकों, माय भारत यूथ क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्)राष्ट्रीय कैडेट कोर (ह्ष्ट्ष्ट्)भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्काउट-गाइड खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेलो इंडिया विभिन्न महाविद्यालयों, से लगभग एक हजार युवाओं ने सहभागिता की । कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। आयोजन में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों, स्वस्थ जीवनशैली एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति प्रेरित किया गया।

सपीजेआईएमआर ने सामाजिक क्षेत्र में अधिक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए अपने पीजीपीडीएम पाठ्यक्रम और कार्यक्रम का व्यापक पुनर्गठन किया

मुंबई: भारत का सोशल सेक्टर तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक चैरिटी आधारित मॉडल की जगह अब ऐसे विकास मॉडल अपनाए जा रहे हैं, जिनमें ठोस परिणाम, नवाचार, तकनीक और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है। सोशल एंटरप्रेन्योरशिप, इम्पैक्ट इन्वेस्टिंग, ईएसजी, पब्लिक- प्राइवेट पार्टनरशिप और कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) जैसी अवधारणाएं भी सामाजिक विकास के तरीके को नई दिशा दे रही हैं। इन्हीं बदलावों को ध्यान में रखते हुए भारतीय विद्या भवन के एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (एसपीजेआईएमआर) ने अपने पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन डेवलपमेंट मैनेजमेंट (पीजीपीडीएम) के पाठ्यक्रम में बदलाव किया है। साथ ही, फरवरी 2027 से शुरू होने वाले बैच-28 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पीजीपीडीएम भारत का एकमात्र डेवलपमेंट मैनेजमेंट प्रोग्राम है, जिसे एएसीएसबी, एएमबीए और ईक्यूयूआईएस की अंतरराष्ट्रीय ट्रिपल क्राउन मान्यता प्राप्त है। इसे सामाजिक क्षेत्र के लिए प्रभावी और दीर्घकालिक बदलाव लाने वाले नेतृत्व को तैयार करने के लिए जाना जाता है। मई 2026 में इसने अपने सिल्वर जुबली बैच (बैच-25) का दीक्षांत समारोह आयोजित कर 25 बैच पूरे होने का महत्वपूर्ण पड़ाव भी हासिल किया। पीजीपीडीएम की खासियत इसकी विविध पृष्ठभूमि वाले प्रतिभागी हैं। इसमें गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से जुड़े पेशेवर, सोशल इम्पैक्ट कंसल्टेंट, उद्यमी और सीएसआर क्षेत्र के विशेषज्ञ एक साथ अध्ययन करते हैं।

बिलासपुर स्टेशन में प्रेमचंद जी की 146 वीं जयंती मनाई गई

बिलासपुर। अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) श्री के.श्रीनिवास की अध्यक्षता, मुख्य स्टेशन प्रबंधक, बिलासपुर स्टेशन श्री आशुतोष कुमार ठाकुर एवं मुख्य क्रू कंट्रोलर, बिलासपुर श्री पी.नागेश्वरर राव की उपस्थिति में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद जी की 146 वीं जयंती मनाई गई । इस अवसर पर बिलासपुर स्टेशन परिसर स्थित कार्यालय में कार्यरत कर्मचारीगण उपस्थित थे । सर्वप्रथम अध्यक्ष एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । तत्पश्चात प्रेमचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया । उपस्थित कर्मचारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए । इस अवसर पर श्रीमती विद्यावती कुमारी,कनिष्ठ लिपिक,मुख्य यार्ड मास्टर कार्यालय,बिलासपुर ने प्रेमचंद जी के जीवन अनछुए पहलुओं पर संक्षिप्त प्रकाश डाला । मुख्य क्रू कंट्रोलर,बिलासपुर श्री पी.नागेश्व र राव ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है।

नाम परिवर्तन

मै लिंगैया शुकंर (LINGAIYA SHUNKAR) पिता श्री पोतराज (POTRAJ) पुराना नाम लिंगैया शकंर (LINGAIYA SHANKAR))नाम, जिसे बदला जाना है) एतद्द्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ ।

1. मै ग्राम - पुजारी कांकेर तह.- उसूर का स्थायी निवासी हूँ ।

2. मेरा शकंर लिंगैया (SHANKAR LINGAIYA) नया मै लिंगैया शुकंर (LINGAIYA SHUNKAR) नाम करवाना चाहता / चाहती हूँ ।

3. मेरा पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है और न ही किसी बैंक में ऋण राशि शेष हैं ।

4. मै मेरा नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता / करती हूँ तो उसके लिए मै पूर्णत: स्वय जिम्मेदार रहूँगा /रहूँगी ।

5. मै यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम प्राणिक के समक्ष प्रस्तुत कर रहा / रही स

शपथकर्ता के हस्ताक्षर
लिंगैया शुकंर

प्ररूप- (तीन)

शपथ पत्र (नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मैं श्रीमती गीता तेलम (माता/पिता पालक का नाम)सुपुत्र/ पति देव कुमार तेलम

निवासी डिपोपारा बीजापुर, एतद्द्वारा पूर्णत: पुष्टि करता हूँ और निम्नानुसार घोषित करती हूँ। 1. मैं नगर डिपोपारा बीजापुर, तहसील बीजापुर, जिला बीजापुर (छ0ग0) की स्थायी निवासी हूँ।

2. मैं अपने नाबालिग पुत्र/पुत्री ध्यांशी तेलम (DHYANSHI TELAM) से बदलकर धियांशी तेलम (DHIYANSHI TELAM) करवाना चाहती हूँ।

3. मैं अपने पुत्र/पुत्री नाम का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा / रहूंगी।

4. मैं अपने पुत्र/पुत्री ध्यांशी तेलम (DHYANSHI TELAM) को हमारे / हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नही है।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ ।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर
गीता तेलम

प्ररूप- (तीन)

शपथ पत्र (नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मैं शारदा चापा, (SHARDA CHAPA), (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) - सुपुत्र / सुपुत्री / पति राज कुमार चापा, (RAJ KUMAR CHAPA), निवासी- जिनिप्पा, एतदवारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करती हूँ।

1. ग्राम जिनिप्पा, तह0 - उसूर, जिला- बीजापुर छ0ग0 का स्थायी निवासी हूँ।

2. मेरा पुराना नाम- शारदा चापा, (SHARDA CHAPA), है और मैं अपना नाम बदलकर शारदा दुब्बा, (SHARDA DUBBA,), पिता शंकरैया दुब्बा, (SHANKARAIYA DUBBA), (नया नाम) करवाना चाहती हूँ।

3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूँग7

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ / रही हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ ।

शपथकर्ता के हस्ताक्षर
शारदा चापा

नाम परिवर्तन

मैं श्रीमती बटटा जया (BATTA JAYA) पति बट्टा प्रसाद (BATTA PRASAD) उम्र-45 वर्ष, शि पामेड़, ग्राम पंचायत पामेड़ तहसील - उसूर, जिला - बीजापुर, (छ.ग.), शपथ पूर्वक निम्न कथन

करती हूँ कि:-

1. मैं ग्राम पामेड़, ग्राम पंचायत पामेड़ तहसील- उसूर जिला - बीजापुर, (छ.ग.) की स्थायी निवासी हूँ।

2. मेरे पुराना नाम देवे माड़वी (DEVE MADVI) है और मैं अपना नाम बदलकर बटटा जया (BATTA JAYA) करवाना चाहती हूँ ।

3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायलय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं हैं और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

4. मैं नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करती हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगी।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

स्थान :-बीजापुर
दिनांक:- 20/07/2026

जया
शपथकर्ता

प्ररूप- (तीन)

शपथ पत्र (नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मै अभिभावक सोमलू हेमला, (SOMLU HEMLA), (माता / पिता/पति / पालक का नाम) सुपुत्र/ पिता लिंगा हेमला (LINGA HEMLA), निवासी- गंगालूर, एतदवारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

1. ग्राम - गंगालूर, तह0 - गंगालूर, जिला बीजापुर छ0ग0, का स्थायी निवासी हूँ । 2. मैं अपने नाबालिग पुत्र सीनू हेमला, (SINU HEMLA), जन्मतिथि-02/05/2015, से बदलकर उमेश हेमला, (UMESH HEMLA), जन्मतिथि - 21/02/2016, करवाना चाहता हूँ।

3. मैं अपने पुत्र/पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूँ तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/रहूंगी।

4. मेरी पुत्र/पुत्री सुनीता ताटी, (SUNITHA TATI), को हमारे / हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही / रहा हूँ ।

माता/पिता/ पालक को हस्ताक्षर
सोमलू

नाम परिवर्तन

मैं नंदनी साहू पिता सीताराम उम्र 29 वर्ष निवासी खिलोरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491335 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

है। यह कि मेरा नाम व पत्ता उपरोक्तानुसार

यह कि मुझे मेरे स्वंय का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरा नाम नंदनी साहू (NANDANI SAHU) प सीताराम (SITARAM) दर्ज है। जिसका आधार कार्ड नं.- 273898002300 है। जो बालिक है। यह कि मेरे राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटिवश ननकुनिया (NANKUNIYA) पिता सीताराम (SITARAM) के नाम हो गया है जो की सही है तथा भविष्य में नंदनी साहू (NANDANI SAHU) पिता सीताराम (SITARAM) के नाम जाना जाये जिसके लिए राजपत्र में प्रकाशन परिवर्तन कर नंदनी साहू (NANDANI SAHU) पिता सीताराम (SITARAM) के नाम से दर्ज करना है जो की सही है तथा भविष्य में नंदनी साहू (NANDANI SAHU) पिता सीताराम (SITARAM)) दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अत: यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

नंदनी साहू
पिता सीताराम
ग्राम खिलोरा तहसील
व जिला बेमेतरा

नाम परिवर्तन

मैं लक्ष्मन खिलोसिया पिता कल्पेश जैन उम्र 20 वर्ष निवासी बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) 491335 जो कि निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करता हूं कि

है। यह कि मेरा नाम व पत्ता उपरोक्तानुसार

यह कि मुझे मेरे स्वंय का आधार कार्ड बना हुआ है जिसमें मेरा नाम लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) दर्ज है। जिसका आधार कार्ड नं.- 245397837465 है। जो बालिक है। यह कि मेरे अंकसूची व जन्म प्रमाण पत्र में कुशल जैन (KUSHAL JAIN) पिता कल्पेश जैन (KALPESH (JAIN) के नाम हो गया है जो की गलत है तथा भविष्य लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) के नाम जाना जाये जिसके लिए राजपत्र में प्रकाशन परिवर्तन कर लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) के नाम से दर्ज करना है जो की सही है तथा भविष्य में लक्ष्मन खिलोसिया (LAXMAN KHILOSIYA) पिता कल्पेश जैन (KALPESH JAIN) दर्ज किये जाने शपथ पत्र प्रस्तत करने की आश्यकता हुई है। अत: यह.. शपथ पत्र प्रस्तुत है।

लक्ष्मन खिलोसिया
पिता कल्पेश जैन
ग्राम बेमेतरा तहसील
व जिला बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)

/ / ईश्तहार / /

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री कृष्णा यादव पिता नन्दराम जाति राऊत निवासी ग्राम नवागांव तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक कृष्णा यादव पिता नन्दराम का जन्म दिनांक 01/01/1998 को ग्राम नवागांव तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा जन्म पंजीयन ग्राम कोटवार / थाना / नगर पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत / नगर पंचायत /जनपद पंचायत जुनाडांडू को जन्म पंजीयन कर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14/08/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला-बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

/ / ईश्तहार / /

क्र / Q / प्र. / तह. / 2025
रा.प्र.क्र ब - 121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक हेगलाल पिता खोरबाहरा निवासी ग्राम मऊ तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा न्यायालय के समक्ष अपने माताजी भजियारिन निषाद पति खोरबाहरा निषाद के मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने जिसकी मृत्यु दिनांक 31.12.2020 को ग्राम में ही होना एवं भूलवष मृत्यु का पंजीयन नहीं कराये जाने के कारण पंजीयन करा कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 05/08/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पष्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 16/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन गुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर

नायब तहसीलदार बेमेतरा
जिला-बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)

/ / ईश्तहार / /

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार महिलांग पिता नरेश महिलांग जाति सतनामी निवासी ग्राम झांकी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के बड़े पापा सदवा पिता बिसलीया की मृत्यु दिनांक 03/05/1990 को ग्राम झांकी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में होना बताया गया है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा सदवा की मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत झांकी को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव

उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/08/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियततिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 21/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला-बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)

/ / ईश्तहार / /

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार महिलांग पिता नरेश महिलांग जाति सतनामी निवासी ग्राम झांकी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के दादा बिसलीया पिता भगेला की मृत्यु दिनांक 18/12/1988 को ग्राम झांकी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में होना बताया गया है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा सदवा की मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत झांकी को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे। ढ्ढ

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/08/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 27/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला-बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)

/ / ईश्तहार / /

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार महिलांग पिता नरेश महिलांग जाति सतनामी निवासी ग्राम झांकी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आश्य का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के बुआ मीना पिता बिसलीया की मृत्यु दिनांक 02/03 /1978 को ग्राम झांकी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में होना बताया गया है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा सदवा की मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत झांकी को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/08/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 21/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला-बेमेतरा

एम ऊर्जा योजना का असर : बिजली खपत में 25त्न कमी, दुर्ग रीजन के 6 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

स्मार्ट मीटरधारी 94 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ता 400 यूनिट तक की श्रेणी में पहुंचे, सरकार की योजना का मिलेगा लाभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल), दुर्ग क्षेत्र में स्मार्ट मीटरधारी घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली खपत में जुलाई-2026 के दौरान उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के कुल 6,43,112 स्मार्ट मीटरधारी घरेलू उपभोक्ताओं में से 6,02,188 उपभोक्ता (लगभग 94 प्रतिशत) की बिजली खपत 400 यूनिट तक रही। इससे राज्य सरकार की एम ऊर्जा (मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान) योजना का लाभ छह लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा।सीएसपीडीसीएल द्वारा जून एवं जुलाई-2026 की बिजली खपत का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। अध्ययन के अनुसार जुलाई-2026 में कुल बिजली खपत 108.96 मिलियन यूनिट (एमयू) दर्ज की गई, जो जून-2026 की

145.31 मिलियन यूनिट (एमयू) की तुलना में 25.02 प्रतिशत कम रही। यह कमी उपभोक्ताओं द्वारा बिजली के अधिक जिम्मेदार उपयोग तथा मौसम में आए बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।जारी आंकड़ों के अनुसार जून माह में 400 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 5,54,115 थी, जो जुलाई में बढ़कर 6,02,188 हो गई। यानी इस श्रेणी में 8.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, इस वर्ग की कुल बिजली खपत 79.96 मिलियन यूनिट से घटकर 76.65 मिलियन यूनिट रह गई।

इसके विपरीत 400 यूनिट से अधिक बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 88,997 से घटकर 40,924 रह गई, जो 54.02 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। इस वर्ग की कुल बिजली खपत भी 65.36 मिलियन यूनिट से घटकर 32.31 मिलियन यूनिट दर्ज की गई। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने बताया कि बिजली खपत में आई कमी के दो प्रमुख कारण हैं। पहला, मानसून के दौरान तापमान में गिरावट आने से कूलर एवं एयर कंडीशनर जैसे विद्युत उपकरणों का उपयोग स्वाभाविक रूप से कम होना और दूसरा, राज्य सरकार की एम ऊर्जा (मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान) का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं द्वारा अपनी बिजली खपत को योजनाबद्ध तरीके से नियंत्रित करना। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मानसून में देरी के कारण जून माह में भीषण गर्मी रही, जिससे पंखे, कूलर और एयर कंडीशनर का उपयोग बढ़ा तथा बिजली की मांग और खपत दोनों में वृद्धि हुई। इसी वजह से जून माह के बिजली बिल अपेक्षाकृत अधिक आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें स्मार्ट मीटर की कोई तकनीकी खराबी या गड़बड़ी नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह मौसम की परिस्थितियों और वास्तविक बिजली उपयोग का परिणाम है।सीएसपीडीसीएल ने यह भी स्पष्ट किया है कि जारी किए गए सभी आंकड़े स्मार्ट मीटरों की वास्तविक रीडिंग पर आधारित हैं तथा पूर्ण रूप से सत्यापित हैं। यदि किसी उपभोक्ता को मीटर संबंधी किसी भी प्रकार की शिकायत होती है, तो विभाग द्वारा उसकी तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

दोस्ती का विश्वास तोड़कर शादी का झांसा देकर 8 साल तक दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पखांजूर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ पखांजूर शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पखांजूर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पीड़िता के भाई का बिजनेस पार्टनर है, जो पिछले आठ वर्षों से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने 3 अगस्त को थाना पखांजूर में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसके भाई का बिजनेस पार्टनर चन्द्रशेखर पोया, निवासी ग्राम पुसेवाड़ा (थाना खड़गांव, जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), का उसके घर आना-जाना था। वर्ष 2018 में आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसे अपने विश्वास में लिया। 10 मार्च

2018 की रात घर में रुकने के दौरान आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर धमकी दी। इसके बाद से आरोपी लगातार शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। हाल ही में जब उसने शादी करने से पूरी तरह इंकार कर दिया, तब पीड़िता ने थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार कुर्रे के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी पखांजूर कुलदीप बंजारे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक तेज कुमार वर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने अपराध क्रमांक 136/2026, धारा 376 एवं 376(2) (ढ़) भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।वीत्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी चन्द्रशेखर पोया (पिता शिव कुमार पोया) को उसके निवासस्थान ग्राम पुसेवाड़ा से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी तेज कुमार वर्मा, प्रशिक्षु उप निरीक्षक अमीना, सहायक उप निरीक्षक समोद कुमार शर्मा, महिला आरक्षक बिन्दुलता देवांगन, आरक्षक अगसिया कोडोपी एवं महिला आरक्षक ममता मण्डावी की सराहनीय भूमिका रही।

नीट परीक्षा की तैयारी एवं मेडिकल करियर पर विद्यार्थियों को मिला विशेषज्ञ मार्गदर्शन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

युवा समाजसेवी संस्था सिंघौरी, बेमेतरा के तत्वावधान में शासकीय आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सिंघौरी में नीट परीक्षा एवं मेडिकल करियर गाइडेंस क्लास का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नीट परीक्षा की तैयारी, मेडिकल शिक्षा और करियर के विभिन्न अवसरों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में ताजिकिस्तान के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हर्ष वर्मा (बेमेतरा), जयकिशन साहू (सिंघौरी) और वैभव यादव (बेमेतरा) ने विद्यार्थियों को नीट परीक्षा की तैयारी की प्रभावी

रणनीति, समय प्रबंधन, विषयवार अध्ययन, परीक्षा पैटर्न तथा देश-विदेश में मेडिकल शिक्षा के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर नियमित एवं अनुशासित अध्ययन करने का आह्वान किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा, मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया और विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका वक्ताओं ने सरल एवं प्रभावी ढंग से समाधान किया।संस्था प्रमुख पोषण वर्मा ने बताया कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण करियर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने तथा उन्हें मेडिकल क्षेत्र में बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्य गजाधर, सौरव, हेमलाल एवं सूरज साहू ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे भविष्य निर्माण की दिशा में उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

आत्मानंद स्कूलों के संविदा शिक्षक-कर्मचारी दो दिन की हड़ताल पर

वर्षों से लंबित मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज, प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री तक बात पहुंचाने का दिया भरोसा

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के बैनर तले जिले के संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी मंगलवार से दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर बैठ गए। संघ का आरोप है कि पांच वर्षों से सेवा देने के बावजूद न तो वार्षिक वेतन वृद्धि मिली और न ही सेवा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान हुआ। मांगों के समर्थन में संघ ने बीजापुर में विधायक विक्रम मंडावी को ज्ञापन सौंपकर समर्थन माँगा, जबकि रायपुर में प्रतिनिधिमंडल ने जिले के प्रभारी मंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। प्रभारी मंत्री ने मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।संघ ने

सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि कई वर्षों से शासन और प्रशासन के समक्ष लगातार ज्ञापन दिए जा रहे हैं, लेकिन मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसी कारण प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत 4 और 5 अगस्त को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल का निर्णय लिया गया है।संघ के अनुसार स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में कार्यरत शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक संविदा कर्मचारियों को अब तक एक प्रतिशत भी वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं मिली है। कर्मचारियों का कहना है कि सेवा सुरक्षा, पीएफ और भविष्य से जुड़ी अन्य सुविधाओं के अभाव में वे असुरक्षा की स्थिति में काम कर रहे हैं। संघ ने सभी स्वामी आत्मानंद विद्यालयों एवं वहां कार्यरत संविदा शिक्षक-कर्मचारियों का शिक्षा विभाग में संविलयन, नियमित वार्षिक वेतन वृद्धि, वेतन विसंगतियों का निराकरण, डीएमएफ से नियुक्त कर्मचारियों के वेतन में सुधार तथा राजपत्र-2013 के अनुसार ग्रंथपालों को शिक्षक ग्रंथपाल (लेवल-8) का पद देने की मांग की है। इसके अलावा सभी संविदा कर्मचारियों के लिए 50 लाख रुपए का बीमा, नियमित पीएफकटौती और मध्यप्रदेश की तर्ज पर संविदा नियम लागू करने की मांग भी दोहराई गई है।

संघ की पांच प्रमुख मांगें

- सभी स्वामी आत्मानंद विद्यालयों एवं संविदा कर्मचारियों का शिक्षा विभाग में संविलयन।
- वार्षिक वेतन वृद्धि और वेतन विसंगतियों का निराकरण।
- सभी संविदा कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 50 लाख रुपये का बीमा।
- नियमित पीएफ कटौती, सेवा सुरक्षा एवं सेवा अवधि संरक्षण लागू किया जाए।
- मध्यप्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में संविदा नियम लागू किए जाएं।

संवेदनशीलता की मिसालः बाढ़ और नाव की परवाह किए बिना दुर्गम गांव पहुंचे कांकेर कलेक्टर, मलेरिया पीड़ित 8 के बच्चे मासूम को अपनी मोटरबोट से अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर 04 अगस्त 2026 कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर आज कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के दूरस्थ ग्रामों का आकस्मिक दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जनसमस्याओं से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सितरम क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर वहां स्थित स्कूलों, आश्रम छात्रावासों तथा घरों में जाकर लोगों का हालचाल पूछा तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी ली। इस दौरान ग्राम कंदाड़ी में मलेरिया से पीड़ित लगभग 08 वर्षीय बालक को मोटर बोट पर अपने साथ लाकर तत्काल सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया। कलेक्टर क्षीरसागर ने आज कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के दूरस्थ एवं

दुर्गम इलाके में बसे ग्राम कंदाड़ी, आलदण्ड, खैरीपदर, बांगो भोड़िया आदि का मौका मुआयना कर वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्राम कंदाड़ी के घोटुल में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान इसी ग्राम के टोलापारा में मलेरिया प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। मलेरिया प्रभावित तीन परिवारों से मुलाकात के दौरान 08 वर्षीय बीमार बालक की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उसे अपने साथ मोटरबोट से लाकर सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया तथा बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश बीएमओ को दिए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम को तत्काल उपचार एवं दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान वहां उपस्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सितरम सेक्टर के आरोग्य मंदिर के तहत आने वाले 13 ग्रामों में आज कैंप लगाकर 217 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 08 मलेरिया पॉजिटिव के मरीज पाए गए, जिनका तत्काल प्राथमिक उपचार प्रारंभकर दिया गया है। इसके अलावा कलेक्टर ने इन ग्रामों के आश्रम छात्रावास, स्कूलों व घरों में जाकर विद्यार्थियों व ग्रामीणों से मिलकर उनका हालचाल जाना। इसके पश्चात कलेक्टर ने पखांजूर के समीप स्थित अंजाड़ी नाला पुल का निरीक्षण किया। उक्त पुल में दरार आने की जानकारी मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बताया गया कि क्षेत्र में भारी वाहनों, विशेषकर सूरजगढ़ माइंस से संबंधित वाहनों के आवागमन के कारण पुल मे दरारें आई हैं। नाव से नदी पार कर लिया विभिन्न ग्रामों का लिया जायजा इसके पश्चात कलेक्टर बेचाघाट पहुंचे, जहां जलभराव की स्थिति के कारण उन्होंने मोटर बोट से नदी पार कर दोपहिया वाहन के माध्यम से कंदाड़ी घोटुल पहुंचे, जहां ग्रामीणों की मांग पर आवागमन की सुविधा के लिए क्षेत्र में दो अतिरिक्त मोटरबोट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मोटरसायकल परसवार होकर खैरीपदर एवं बांगोभोड़िया के जर्जर स्कूल भवनों का अवलोकन किया और नए भवनों की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कांदाड़ी आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कंदाड़ी शासकीय प्री-मैट्रिक 50 सीटर छात्रावास का निरीक्षण किया, जहां केवल 25 छात्र उपस्थित पाए गए। उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए नए भवन की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्रवाई की बात कही। इसके अलावा ग्राम छोटेबेठिया स्थित नवनिर्मित प्री-मैट्रिक छात्रावास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को शेष निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर छात्रावास को उपयोग के लिए तैयार करने के निर्देश दिए। क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कंदाड़ी के सरपंच ने नल-जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति नहीं होने की समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने कंदाड़ी के पात्र ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी निखिल राखेचा, जिला पंचायत सीईओ हरेश मण्डावी, जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के सीईओ उदय नाग सहित संबंधित विभागां के अधिकारीगण उपस्थित थे।

'रेत माफियाओं पर तहसीलदार शिवम पांडेय और नायब तहसीलदार पंकज मिश्रा का बड़ा एक्शन!'

20 से ज्यादा डंपर अवैध बालू जब्त, पूंजीपथरा में मची हड़कंप

तमनार/रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के तमनार तहसील अंतर्गत पूंजीपथरा क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। अवैध रेत डंपिंग की सूचना मिलते ही तहसीलदार शिवम पांडेय और नायब तहसीलदार पंकज मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच के दौरान भारी मात्रा में अवैध रूप से डंप की गई बालू बरामद की। कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने 20 से अधिक डंपर के बराबर अवैध बालू को जब्त करते हुए नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से क्षेत्र में अवैध रूप से

रेत का भंडारण किया जा रहा था। सूचना मिलने पर तहसील प्रशासन ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जब्त की गई बालू को राजसात करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा मामले में संबंधित लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और रेत के अवैध भंडारण के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में अवैध बालू किसके संरक्षण में डंप की गई थी? क्या इस कारोबार के पीछे बड़े चेहरे भी शामिल हैं? प्रशासन की जांच के बाद कई और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

दुर्योधन यादव बोले- सरकार के विरोध का नहीं, न्याय और सम्मान का आंदोलन

आत्मानंद संविदा शिक्षक-कर्मचारी संघ की दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल में तूता धरना स्थल पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ से सैकड़ों शिक्षक हुए सम्मिलित

बरमकेला/मूक पत्रिका

वर्षों से प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में जुटे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों के संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अब अपनी सेवा शर्तों, वेतन, नियमितीकरण और भविष्य की सुरक्षा को लेकर आवाज बुलंद कर दी है। छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रदेशभर के संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर रायपुर के तूता धरना स्थल पर दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के लिए एकत्रित हुए। आंदोलन के पहले दिन प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे हजारों शिक्षक-कर्मचारियों ने एकजुट होकर सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखीं। इस दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले से सैकड़ों की संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए। जिले के विभिन्न स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों ने रायपुर के तूता धरना स्थल पहुंचकर

संघ की मांगों के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जिले से पहुंचे शिक्षक-कर्मचारियों ने एकजुटता के साथ नियमितीकरण, न्यायपूर्ण वेतनमान, वार्षिक वेतन वृद्धि, सेवा सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं से जुड़ी मांगों को लेकर आयोजित इस आंदोलन का समर्थन किया। इस दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के प्रथम दिन करीब 8 हजार संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी तूता धरना स्थल पर मौजूद रहे। इनमें सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले से भी स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए और उन्होंने संघ की मांगों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिक्षक-कर्मचारियों की मौजूदगी ने आंदोलन को व्यापक स्वरूप दिया। अलग-अलग जिलों से शिक्षक-कर्मचारी लंबी दूरी तय कर रायपुर पहुंचे और शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाया।

वर्षों से विद्यार्थियों का भविष्य संवार रहे, अब अपने भविष्य की चिंता–स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में कार्यरत संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी लंबे समय से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और विद्यालयीन व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। संघ का कहना है कि इन कर्मचारियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है, लेकिन स्वयं उनके भविष्य को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों की सेवाओं का उपयोग वर्षों से किया जा रहा है, लेकिन सेवा सुरक्षा, वेतनमान, नियमितीकरण और अन्य सुविधाओं के मामले में उन्हें अब भी अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। इसी पीड़ा और अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर शिक्षक एवं कर्मचारी दो दिवसीय सांकेतिक आंदोलन के लिए एकजुट हुए हैं। धरना स्थल पर मौजूद शिक्षकों के हाथों में विभिन्न मांगों से संबंधित तख्तियां थीं। शिक्षकों ने शांतिपूर्ण तरीके से सरकार तक अपनी बात पहुंचाते हुए सेवा सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य की मांग की।

क्या हैं संघ की पांच सूत्रीय मांगें?–छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ ने सरकार के समक्ष अपनी पांच प्रमुख मांगें रखी हैं।पहली मांग– नियमितीकरणः संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए स्पष्ट एवं समयबद्ध प्रक्रिया निर्धारित की जाए, ताकि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों के भविष्य को स्थायित्व मिल सके। दूसरी मांग– न्यायपूर्ण वेतनमानः शिक्षक एवं कर्मचारियों से लिए जा रहे कार्य और उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप न्यायपूर्ण एवं सम्मानजनक वेतनमान सुनिश्चित किया जाए।तीसरी मांग– वार्षिक वेतन वृद्धिः बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की लागत को देखते हुए संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों के लिए प्रत्येक वर्ष वार्षिक वेतन वृद्धि का प्रावधान किया जाए।चौथी मांग– आवश्यक सुविधाएंः स्वास्थ्य बीमा, सेवा सुरक्षा, अवकाश, पेंशन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि कर्मचारियों को सुरक्षित और सम्मानजनक सेवा वातावरण मिल सके।पांचवीं मांग– सेवा शर्तों में सुधारः संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार करते हुए पारदर्शी, सम्मानजनक और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

कमल वर्मा ने दिया आंदोलन को समर्थन–आंदोलन को छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांत अध्यक्ष कमल वर्मा का भी समर्थन मिला। उन्होंने धरना स्थल पर पहुंचकर संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने सरकार से संविदा शिक्षक-कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करने की अपील की।कमल वर्मा ने शिक्षा मंत्री से भी संघ की मांगों को संवेदनशीलता के साथ लेते हुए जल्द से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक और कर्मचारी वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उनके हितों और भविष्य पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

शासकीय आईटीआई बेमेतरा में दो दिवसीय 'नव कौशल पथ-नई राह, नया हुनर' प्रवेशोत्सव कार्यशाला संपन्न

नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का तिलक एवं पुष्प भेंट कर स्वागत, कौशल विकास, स्वरोजगार और आधुनिक तकनीकों की दी गई जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकार शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), बेमेतरा में 3 एवं 4 अगस्त 2026 को 'नव कौशल पथ-नई राह, नया हुनर' कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय प्रवेशोत्सव कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला के प्रथम दिवस 3 अगस्त को संस्था प्रमुख श्रीमती ज्योति भगत ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन, गुणवत्ता एवं कौशल विकास के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प

भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया तथा परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को सीटीएस नियमावली, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना , प्रैक्टिकल एवं सीबीटी परीक्षा प्रणाली, तथा राज्य में संचालित पीपीपी एवं आईएमसी जैसी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार एवं कैरियर निर्माण की संभावनाओं पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। द्वितीय दिवस 4 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रमन कुमार अग्रवाल, अग्रसेन कांक्रीट प्रोडक्ट्स, बेमेतरा रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा प्रशिक्षणार्थियों को कौशल प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद स्वरोजगार अपनाने और नई तकनीकों को अपने कौशल का हिस्सा बनाकर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व प्रशिक्षणार्थी दीपक वारे (मैकेनिक डीजल, सत्र 2023-24) एवं निशांत बंसल (विद्युतकार, सत्र 2023-25) ने अपने प्रशिक्षण अनुभव साझा करते हुए सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों और कैरियर निर्माण की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सुश्री ऋतु, प्रशिक्षण अधिकारी (विद्युतकार) द्वारा किया गया। कार्यशाला के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों ने प्राप्त मार्गदर्शन को अपने भविष्य के लिए उपयोगी बताते हुए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनदर्शन में हंगामा : ग्रामीणों ने कलेक्टर की गाड़ी रोकी, जमीन बचाने की मांग पर अड़े ग्रामीण, लिखित आश्वासन के बाद शांत हुआ मामला..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के बिलाईगढ़ ब्लॉक के सिंघीचुआ, रिकोटार, धाराशिव सहित अन्य गांव के सैकड़ों ग्रामीण मंगलवार को कलेक्टर जनदर्शन पहुंचे और प्रस्तावित औद्योगिक परियोजना के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि वे वर्षों से इस जमीन पर रह रहे हैं और किसी भी कीमत पर अपने घर, खेत और गांव को उजड़ने नहीं देंगे। ग्रामीणों का कहना था कि तहसील कार्यालय से जारी नोटिस के बाद उन्हें आशंका है कि गांव की जमीन किसी उद्योग के लिए हस्तांतरित की जा सकती है। इसे लेकर उन्होंने भूमि हस्तांतरण की पूरी प्रक्रिया निरस्त करने और उनकी कृषि भूमि व आवास को सुरक्षित रखने की मांग की।

कलेक्टर से मिलने पर अड़े ग्रामीण-सुबह करीब 11 बजे से बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने जनदर्शन में आवेदन भी सौंपा, लेकिन उनकी मांग थी कि वे अपनी बात सीधे कलेक्टर के सामने रखें और लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही वापस लौटेंगे। दोपहर में जब कलेक्टर कार्यालय से निकलने लगीं, तब ग्रामीण उनके वाहन के सामने पहुंच गए और रास्ते में बैठकर विरोध जताने लगे।

कई घंटे चली समझाइश-मौके पर एसडीएम, तहसीलदार सहित प्रशासन के कई अधिकारी पहुंचे और ग्रामीणों से लगातार बातचीत करते रहे। पुलिस बल भी एहतियात के तौर पर तैनात रहा। काफी देर तक समझाइश का दौर चला, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। आखिरकार बिलाईगढ़ एसडीएम प्रफुल्ल रजक ने ग्रामीणों की मांग के अनुसार लिखित आश्वासन दिया। इसमें ग्रामीणों की आपत्तियों और संबंधित खसरा नंबरों का उल्लेख करते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही गई। लिखित आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीण शांत हुए और प्रदर्शन समाप्त कर वापस लौट गए।

ग्रामीण बोले, गांव और जमीन बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता-प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि उनके पूर्वजों से जुड़ी जमीन और घर-खेत उनकी आजीविका का आधार हैं। यदि यहां उद्योग स्थापित किया जाता है तो कई परिवार प्रभावित होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि उनकी सहमति के बिना किसी भी प्रकार की भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया आगे न बढ़ाई जाए।

शासकीय ई.वी. पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम का कलेक्टर ने किया औचक निरीण

- **अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण करने, इंटीरियर, शेड एवं आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के दिए निर्देश**

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सोमवार को शासकीय ई.वी. पीजी कॉलेज, कोरबा परिसर में निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का निरीण कर वहां चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने ऑडिटोरियम में शेष बचे निर्माण एवं इंटीरियर संबंधी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि विद्यार्थियों और महाविद्यालय को जल्द से जल्द इस आधुनिक सुविधा का लाभ मिल सके।निरीण के दौरान कलेक्टर ने ऑडिटोरियम में किए जाने वाले इंटीरियर कार्य, मंच, बैठक व्यवस्था, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता और स्थापना को लेकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऑडिटोरियम को सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, जिससे यहां शैणिक, सांस्कृतिक एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का बेहतर ढंग से आयोजन किया जा सके।कलेक्टर दुदावत ने महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. बी.एल. साय से महाविद्यालय की शैणिक एवं सह-शैणिक गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ऑडिटोरियम की उपयोगिता, विद्यार्थियों की आवश्यकताओं तथा महाविद्यालय की अन्य समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की और उनके निराकरण के संबंध में आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। निरीण के दौरान कलेक्टर ने नगर पालिक निगम के अधिकारियों से पीजी कालेज मैदान में एस्ट्रोटर्फ मैदान सहित ऑडिटोरियम के शेष कार्यों को पूर्ण करने के लिए चल रही निविदा प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी औपचारिकताएं समयबद्ध तरीके से पूरी कर निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए।

ग्रामीणों के बीच पहुंचीं सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा, जनसमस्याएं सुन मौके पर दिए समाधान के निर्देश

सुपढाका, चुटई, चिरई और डुमरपाठ का किया दौरा, सड़क, शिक्षा, बिजली व सामुदायिक भवन की मांगें उठीं

कुसमी/बलरामपुर/मूक पत्रिका

सामरी विधानसभा क्षेत्र की विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने मंगलवार को क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण इलाकों का सघन दौरा कर आमजन से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम पंचायत जिगनिया के सुपढाका से अपने जनसंपर्क कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए चुटई, ग्राम पंचायत सेरंगदाग के चिरई तथा ग्राम पंचायत जमीरापाठ के डुमरपाठ पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दौरे के दौरान ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष सुपढाका में विद्युत ट्रांसफार्मर की समस्या, प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कमी, अतिरिक्त विद्यालय भवन निर्माण, सीसी सड़क, सामुदायिक भवन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग रखी। विधायक ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा लंबित मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का भरोसा दिलाया।विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने विधायक के गांव-गांव पहुंचकर समस्याएं सुनने और त्वरित कार्रवाई के निर्देश देने की पहल की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र में नियमित जनसंपर्क एवं विकास कार्यों की समीक्षा जारी रखने की अपेक्षा भी व्यक्त की। दौरे के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती बसंती भगत, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण पैकरा, भाजपा नेता राजेश्वर गुप्ता, राकेश भारती, विनय यादव, बालो बाई, राजा गुप्ता, पारस पाल, विवेक सिंह, देव साय सहित संबंधित ग्रामों के सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा : दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता

ज्ञानेश्वरी यादव ने बढ़ाया प्रदेश का मान : अभिलाष यादव

जगदलपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमण्डल खेल-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगाँव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव को बधाई देते हुए कहा है कि यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। यादव ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। भाजयुमो जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा कि महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल देश के लिए पदक जीता, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी। अभिलाष यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व वाली भाजपा की राज्य सरकार प्रदेश की युवाओं को हरसम्भव मदद पहुँचा रही है। प्रदेश के युवा खेल के साथ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़े इसके लिए सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। इससे प्रदेश के युवाओं में रुचि बढ़ेगी। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल की है।

उनकी सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदार हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। राज्य सरकार ने उन्हें आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी उपलब्धि का सम्मान हो और प्रदेश के अन्य खिलाड़ी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित हों। भाजयुमो जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार मातृशक्ति को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दे रही है जिससे महिलाएँ को हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के अधिक-से-अधिक खिलाड़ी ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगा लहराएँ तथा देश और प्रदेश का नाम विश्वभर में रोशन करें। ज्ञानेश्वरी यादव जैसी खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ इस दिशा में नई पीढ़ी का आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करेंगी यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत और छत्तीसगढ़ का नाम विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएंगी। प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें अवसर देना और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना सरकार की खेल नीति का महत्वपूर्ण आधार है। यही प्रयास आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को खेलों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती पर ऐतिहासिक घोषणाओं का स्वागत, रायपुर कार्यक्रम में शामिल हुए राजू (गुड्डू) पाठक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय भव्य कलश वंदन अभियान में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला बेमेतरा के जिला सह-कोषाध्यक्ष राजू (गुड्डू) पाठक शामिल हुए।कार्यक्रम के बाद राजू (गुड्डू) पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के सम्मान में कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं। उन्होंने बताया कि अब संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ में शासकीय अवकाश रहेगा, जिससे समाज सुधारक संत रविदास के विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।उन्होंने बताया कि राज्य स्थापना दिवस (राज्य उत्सव) के अवसर पर अब ÷संत शिरोमणि गुरु रविदास अलंकरण पुरस्कार÷ की शुरुआत की जाएगी। यह सम्मान सामाजिक समरसता, सामाजिक उत्थान और जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा।राजू (गुड्डू) पाठक ने यह भी जानकारी दी कि नया रायपुर में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से भव्य ÷संत शिरोमणि गुरु रविदास चौक÷ का निर्माण किया जाएगा।इसके साथ ही उन्होंने बताया कि लोकतंत्र के पवित्र मंदिर छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की पावन वाणी, दोहे एवं उपदेश अंकित किए जाएंगे, ताकि उनके विचार जनप्रतिनिधियों और समाज को सदैव प्रेरित करते रहें। राजू (गुड्डू) पाठक ने इन सभी घोषणाओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचारों, सामाजिक समरसता और समानता के संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वन विभाग, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो और उड़नदस्ता दल की संयुक्त कार्रवाई, न्यायिक हिरासत में भेजे गए आरोपी

हाथी दांत तस्करी का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशन में संगठित वन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बलरामपुर जिले में वन विभाग ने बड़ी सफलता हासिल की है। वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (मध्य क्षेत्र, भोपाल), राज्य उड़नदस्ता दल रायपुर तथा वनमंडल बलरामपुर की संयुक्त टीम ने हाथी दांत (जबड़ा) की अवैध तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।वन मंडलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी के मार्गदर्शन में 03 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि रामानुजगंज स्थित फारेस्ट नदी किनारे आमंत्रण धर्मशाला के कमरा नंबर-205 में हाथी दांत की अवैध खरीद-फरोख्त के उद्देश्य से कुछ संदिग्ध लोग ठहरे हुए हैं। सूचना पर संयुक्त टीम ने तत्काल दबिश दी। तलाशी के दौरान एक बैग से 03 नग हाथी दांत (जबड़ा) बरामद किए गए तथा मौके से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड के पलामू जिले के तुकबेरा निवासी संतोष कुमार विश्वकर्मा (42 वर्ष), रामानुजगंज निवासी अजय कुमार गुप्ता (49 वर्ष) तथा सतेन्द्र कुमार (50 वर्ष) शामिल हैं। पूछताछ में तीनों ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद वन विभाग ने हाथी दांत जब्त कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया।आरोपियों के विरुद्ध वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39, 48(क), 50, 51 एवं 52 के तहत कार्रवाई की गई। भारतीय जंगली हाथी अनुसूची-1 के अंतर्गत संरक्षित वन्य प्राणी है, इसलिए यह अपराध गंभीर श्रेणी में आता है। तीनों आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रामानुजगंज के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वन परिक्षेत्राधिकारी रामानुजगंज ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है तथा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।